

मोपाल

02 अक्टूबर 2026

शुक्रवार

आज का मौसम

 32.9 अधिकतम

 18.8 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



मध्यप्रदेश भाज मनाएगा

स्वच्छ भारत दिवस

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) मध्यप्रदेश | नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश शासन



स्वच्छता ही सेवा 2026

17 सितम्बर - 17 अक्टूबर 2026

स्वच्छता में सहभाग

स्वच्छ भारत, विकसित भारत

D-11128/26

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती

पर स्वच्छता का संकल्प

वृद्धाश्रमों एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियां,

'एक पेड़ मां के नाम' अंतर्गत पौधरोपण



प्रशासन ने नहीं दी प्रदर्शन की इजाजत... बीएनएस की धारा 163 लागू

एसआईआर का विरोध, छावनी बना जंतर-मंतर, 11 मेट्रो स्टेशन बंद

आप के नेता सौरभ भारद्वाज को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली / मुंबई, एजेंसी

मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिफ रिवीजन (एसआईआर) प्रोसेस के खिलाफ आज दिल्ली में लेफ्ट, आम आदमी पार्टी और स्टूडेंट यूनियन के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जंतर मंतर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। आप नेता सौरभ भारद्वाज को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यहां ज्यादा भीड़ न पहुंच सके इसलिए 11 मेट्रो स्टेशनों के एंट्री और एग्जिट गेट अगले आदेश तक बंद कर दिए गए हैं।

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन, आरजेडी सांसद मनोज झा और वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने लोगों से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी आज शाम 4 बजे से मुंबई के शिवाजी पार्क में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन करने वाली है।

कॉकरोच जनता पार्टी का आज मुंबई में हल्लाबोल

राजीव चौक, सेवा तीर्थ, मंडी हाउस और लोक कल्याण मार्ग और नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। एंट्री और एग्जिट बंद रहने के बावजूद राजीव चौक, मंडी हाउस, आईएनए, नई दिल्ली और केंद्रीय सचिवालय स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध रहेगी। आम आदमी पार्टी के नेता ने जंतर-मंतर पहुंचकर लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे बिना कार का इस्तेमाल किए पहुंचें हैं। आप भी यहां पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा, प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है। पुलिस हमें बता रही है कि प्रदर्शन को अनुमति नहीं दी गई है। छह दिन पहले आप ने यहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए आधिकारिक अनुमति मांगी थी। इसके कुछ ही देर बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और बस में बिठाकर ले गई। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, जंतर-मंतर और उसके आसपास के इलाके को 8-9 जोन में बांटा गया है। हर जोन में सुरक्षा की निगरानी के लिए एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी तैनात किया गया है।

नेताओं के आंदोलन में शामिल नहीं होगी सीजेपी

मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने भी प्रदर्शन का ऐलान किया है। पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है और देशभर में आंदोलन शुरू करने की घोषणा की गई है। मुंबई से शुरू होकर यह प्रदर्शन दूसरे राज्यों में भी होगा। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने मुंबई में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं तो अक्टूबर के अंत से दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन होगा। दीपके के मुताबिक मुंबई पुलिस ने पहले उनके प्रस्तावित प्रदर्शन को अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद उन्होंने जेल भरी आंदोलन की घोषणा की। मुंबई पुलिस ने सफाई दी है कि 2013 के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के कारण वह शिवाजी पार्क में सभा की अनुमति देने के लिए अधिकृत नहीं है। दीपके ने साफ किया कि उनकी पार्टी 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन में शामिल नहीं होगी। वहीं इण्डिया ब्लॉक के दल भी आज से 8 अक्टूबर तक देशभर के जिलों में 'सेव डेमोक्रेसी' मार्च निकालेंगे।

आर्चरी टीम को रिकर्व कैटेगरी में गोल्ड

बर्थडे पर लवलीना का गोल्डन पंच



नागोया। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगेहन ने गोल्ड जीत लिया है। आज ही लवलीना का जन्मदिन भी है और आज ही उन्होंने एशियन गेम्स में करियर का पहला गोल्ड जीता। उन्होंने महिलाओं की 75kg वेट कैटेगरी में चीन की बाओ जिरी को 5-0 से हराया। इधर, भारतीय महिला आर्चरी टीम ने पहली बार रिकर्व कैटेगरी में गोल्ड जीता।

पायलट ने पीएम मोदी से कहा मुझे हनुमानजी ने बचा लिया

नई दिल्ली, एजेंसी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से बात की और उनकी बहादुरी की तारीफ की। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में को-पायलट के हमले के बावजूद कैप्टन स्मित ने सूझबूझ और साहस दिखाया। उनकी वजह से विमान में सवार 174 लोगों की जान बच सकी। बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित भावुक हो गए। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि घटना के दौरान मुश्किल हालात में वे

हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे और मुझे हनुमान जी ने बचाया। पीएम ने कहा पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा है। आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जा रहा है।

न्यूज विंडो

एसआईआर में छूटे और नए मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेशल इंटेंसिफ रिवीजन पूरा कर चुके 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव आयोग विशेष अभियान चलाएगा। इसमें एसआईआर के दौरान छूटे लोगों और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने यह निर्देश 29 सितंबर को लिखित रूप में दिया था। गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी इसे दोहराया गया। पहले और दूसरे फेज में 13 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रदेश में 10 अक्टूबर तक जुड़ेंगे नाम... पेज-3

प्रेमानंद महाराज के शिष्य का छत से कूदते हुए वीडियो आया सामने

मथुरा, एजेंसी। वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण उर्फ दीपक लोधी की मौत के मामले में एक और वीडियो सामने आया है। जिसमें दीपक लोधी आश्रम की छत पर नजर आ रहे हैं और कुछ देर बाद खुद नीचे कूदते दिखाई देते हैं। वीडियो में कूदने से पहले वह कुछ परेशान से नजर आते हैं। इसके बाद अचानक वह छत से नीचे छलांग लगा देते हैं। पुलिस के मुताबिक, वृंदावन के बाराह घाट मार्ग स्थित गुरु कृपा कुंज आश्रम की छत से दीपक लोधी नीचे कूद गए थे।

आज का कार्टून



राहुल गांधी की दिखी बेरुखी तो सामने आए खड़गे, बोले-सैल्यूट यू कैप्टन मच्छार

..ऐसे मौके पर तो खड़गे साहब को आगे कर देते हैं फिर कहते हैं वोट चोरी कर लिए

कैप्टन स्मित मच्छार की दुनिया में वाह-वाही

यूपी: मंदिरों-स्कूलों में भरा पानी गोंडा में 25 हजार लोग फंसे

बिहार में 3.65 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित



सारण में नया रिंग बांध टूट गया, जिससे कई गांवों में पानी भर गया।

लखनऊ/पटना, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। लखनऊ के निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों में भी पानी घुस गया है। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी है। गलियों में नावें चल रही हैं। दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई है। नेपाल से पानी आने और 10 तटबंधों के टूटने से बिहार के 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। 253 गांवों में पानी घुस गया है। इससे 3.65 लाख लोग प्रभावित हैं। 44 हजार लोग पर छोड़ चुके हैं। तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में 6-7 अक्टूबर को मैदानी इलाकों में तेज बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में 2-3 दिनों में मानसून विदा हो सकता है।

मेट्रो एंकर

तर्क... प्रस्तावित संशोधन आगे चलकर न्यायिक समीक्षा का विषय बन सकता है

वन नेशन वन इलेक्शन...संसदीय समिति से नहीं मिलेंगे सुप्रीमकोर्ट के जज

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने उस संसदीय समिति से मिलने से इनकार कर दिया है जो एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव वाले संविधान संशोधन बिल की जांच कर रही है। कोर्ट का कहना है कि सीनियर जजों का इस मामले पर चर्चा करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि प्रस्तावित संशोधन आगे चलकर न्यायिक समीक्षा का विषय बन सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल की ओर से समिति को भेजे गए एक संदेश में कहा गया है कि संविधान (129वां संशोधन) बिल, 2024 और ज्ञ कानून (संशोधन बिल, 2024) की जांच करने वाली संयुक्त समिति ने 6 अक्टूबर को भारत के मुख्य न्यायाधीश और अन्य जजों से एक साथ चुनाव के मुद्दे पर अनौपचारिक चर्चा का प्रस्ताव रखा था, जिस पर सीनियर जजों के बीच बातचीत हुई।

सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल के मैसेज में कहा गया, ' सीनियर जजों की राय है कि चूंकि प्रस्तावित संशोधन आगे चलकर शीर्ष अदालत में न्यायिक समीक्षा का विषय बन सकता है, इसलिए प्रशासनिक स्तर पर इस मुद्दे पर चर्चा करना उचित या सही नहीं होगा। इसलिए प्रस्तावित बैठक रद्द कर दी गई है।' इससे पहले निर्दलीय राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने प्रस्तावित दौरे पर आपत्ति जताते हुए इसे 'असंवैधानिक' और शक्तियों के पृथक्करण की अवधारणा के विपरीत बताया था।

अंतरिक्ष से तस्वीरों को समझकर जानकारी भेजेगा, बॉर्डर निगरानी से आपदा तक मददगार

एआई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला चौथा देश बना भारत

हैदराबाद, एजेंसी

भारत ने ऐसा पहला एआई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है, जो सिर्फ तस्वीरें खींचकर धरती पर नहीं भेजेगा, बल्कि उनका एनालिसिस भी स्पेस में ही करेगा। इससे बॉर्डर निगरानी और आपदा में मदद मिलेगी। साथ ही तस्वीरों और डेटा को धरती तक भेजने में लगने वाला समय और खर्च कम होगा। हैदराबाद की कंपनी टेकमीट्रॉक्स का एमओआई-1ए सैटेलाइट स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्ट-18 मिशन से रात 11:48 बजे लॉन्च किया गया। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और चीन के बाद भारत ऐसी क्षमता वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।

अंतरिक्ष में ही डेटा की छंटाई करेगा सैटेलाइट



अभी सैटेलाइट से मिलने वाला डेटा पहले धरती पर भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच और विश्लेषण होता है। नए सैटेलाइट में यह काम अंतरिक्ष में ही किया जा सकेगा। कंपनी टेकमीट्रॉक्स के सीईओ रोनक कुमार सामंत राय के मुताबिक अगर किसी सैटेलाइट ने 300 जीबी डेटा जुटाया है और उसमें से केवल 5 जीबी जानकारी काम की है तो AI जरूरी डेटा की पहचान करके वही जानकारी धरती पर भेज सकता है। इससे डेटा ट्रांसफर का समय और खर्च कम होगा।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर ट्रेलर से भिड़ी दिल्ली-दरभंगा बस, 4 की मौत

पटना, एजेंसी। दिल्ली से दरभंगा का सफर कर रहे यात्री उस वक्त गहरी नींद में थे तभी आज तड़के करीब पांच बजे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे में अचानक जोरदार टक्कर की आवाज गुंजी। अंबेडकरनगर के जैतपुर थाना क्षेत्र में अम्बरपुर टोल प्लाजा के पास एसी स्लीपर बस आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने के दौरान ट्रेलर से भिड़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि करीब 40 फीट लंबी बस का बायां हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

देवी प्रतिमा लेकर जा रहे पिकअप को ट्रक की टक्कर, 7 की जान गई

अमरावती, एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर आज भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, पिकअप में श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। पिकअप की रफ्तार कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

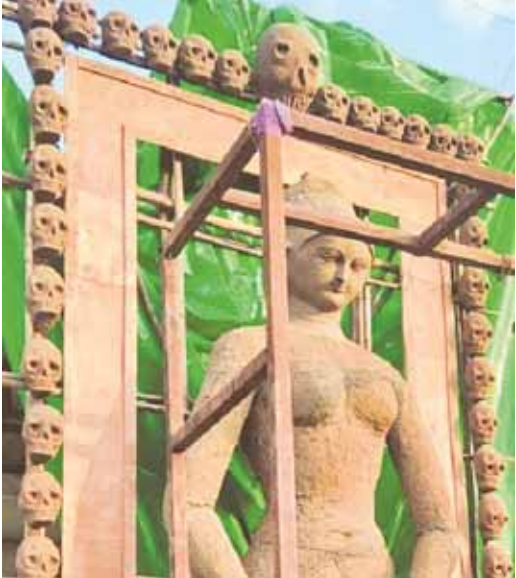
नवरात्र...सज रहीं मूर्तियां; कहीं काली तो कहीं चांमुडा रूप में दर्शन देंगी मां दुर्गा

भोपाल। नवरात्र के नजदीक आने के साथ ही शहर में दुर्गा उत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में मूर्तिकार जुटे हैं। कारीगर प्रतिमाओं को आकर्षक रूप दे रहे हैं। मिट्टी से प्रतिमा का आकार देने से लेकर चेहरे की बारीक नक्काशी, रंग-रोगन और अंतिम सजावट तक हर काम सावधानी से किया जा रहा है। कारीगरों ने पुराने शहर के अलग-अलग हिस्सों में अपनी कार्यशालाएं लगा रखी हैं। सुबह से देर रात तक वे और उनके सहायक प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे रहते हैं। मां दुर्गा के साथ भगवान गणेश, कार्तिकेय, देवी लक्ष्मी और देवी सरस्वती की प्रतिमाएं भी तैयार की जा रही हैं। मूर्तिकारों के अनुसार, श्रद्धालुओं की पसंद और पूजा समितियों की मांग के अनुसार हर साल प्रतिमाओं की शैली और सजावट में बदलाव किया जाता है। इस बार भी अलग-अलग आकार और आकर्षक डिजाइनों की प्रतिमाएं बनाई जा रही हैं। इनमें प्राकृतिक रंगों के इस्तेमाल कर रहे हैं।



देवी के नौ रूपों से मूर्तियों में समा रहे मूर्तिकार

दुर्गा उत्सव समितियां जहां पंडाल और सजावट की तैयारियों में जुटी हैं, वहीं पुराने शहर की गलियों में आकार ले रही मां दुर्गा की प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। दिनभर हथौड़ों और औजारों की आवाज से गूंज रही हैं। मूर्तिकार देवी के नौ रूपों को अलग-अलग मूर्तियों में पिरो रहे हैं।



न्यूज़ विडिो

चरस तस्करी के आरोपियों को 11 साल की सजा, 1-1 लाख जुर्माना भी

भोपाल। चरस की तस्करी करते हुए पकड़े गए आरोपी सलमान खान निवासी शाहजहांनाबाद, सोनू कुमार और वीर किशोर साहनी उर्फ अंजनी निवासीगण बिहार को विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) जॉन्कर मुकेश कुमार मलिक ने 11-11 साल के कठोर कारावास और 1-1 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। शासन की ओर से मामले में विशेष लोक अभियोजक मनोज त्रिपाठी और विक्रम सिंह ने पैरवी की थी।

एक्टिवा से शराब की तस्करी कर रहा था, पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को 310 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब और एक्टिवा समेत 31,700 रुपए का माल जब्त किया है। मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर संतोष (46) निवासी बंगाली कॉलोनी, पंचशील नगर को गिरफ्तार किया। आरोपी से एक्टिवा पर रखी प्लास्टिक बोरी से देशी मदिरा के क्वार्टर मिले। पुलिस ने शराब की गिनती की तो 310 क्वार्टर में कुल 55 लीटर 800 मिलीलीटर देशी शराब मिली।

रानी कमलापति स्टेशन के बाहर किसान से आईफोन झपटा

भोपाल। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने रात में बाइक सवार तीन युवकों ने एक किसान से आईफोन छीन लिया और फरार हो गए। घटना के बाद किसान ने आरोपियों का मानसरोवर कॉम्प्लेक्स तक पीछा किया, लेकिन वे हाथ नहीं आए। पुलिस के मुताबिक हर्दा निवासी अभिषेक चौधरी (35) कटारा हिस्स स्थित महालक्ष्मी परिसर में रहते हैं। वे स्टेशन से रैपिडो के जरिए जा रहे थे। रात करीब सवा 11 बजे शुभ इन होटल के पास सड़क पार करते समय बाइक सवार बरमाश उनके हाथ से मोबाइल छीन ले गए। हबीबगंज थाने में उन्होंने केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

गर्म पानी की बाल्टी में गिरने से झुलसी युवती की मौत

भोपाल। अशोका गार्डन इलाके में गर्म पानी से झुलसी 23 वर्षीय युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती करीब सवा महीने पहले पानी गर्म करते समय हादसे का शिकार हुई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और हादसे के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार नाजियां खान (23) मूल रूप से बालाघाट की रहने वाली थी। वह भोपाल की सम्राट कॉलोनी में किराए के मकान में रहकर प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। करीब सवा महीने पहले उसने बाल्टी में रॉड लगाकर पानी गर्म किया था। पानी गर्म होने के बाद उसने बिजली का स्विच बंद कर दिया और दूसरे काम करने लगी। इसी बीच अचानक उसे चक्कर आया और वह गर्म पानी से भरी बाल्टी में गिर गई। पानी बेहद गर्म था, इसमें वह बुरी तरह झुलस गई थी। परिजन और आसपास के लोगों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसका इलाज किया। करीब सवा महीने तक उसका इलाज चलता रहा। लेकिन उसकी जान बचाने में डॉक्टर सफल नहीं हुए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि नाजियां काफी मेहनती थी। पूरे परिवार को संभाल रही थी। उसकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रिटायर्ड आईएस की हत्या का मामला, गिरफ्त में आरोपी का दोस्त.. उगलेगा राज

केयरटेकर ने 4 राज्यों में की नौकरी, हर जगह दिया धोखा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रिटायर आईएस अफसर राकेश अग्रवाल की हत्या के संदेही वरुण कुमार के बारे में पुलिस को कई चौकाने वाली जानकारीयां मिली हैं। वह 10 माह में चार राज्यों में नौकरी कर चुका है। हत्या के बाद फरार आरोपी लगातार ट्रेन बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा है। खास यह है कि उसने जहां-जहां भी नौकरी की, हर जगह धोखा ही दिया। इस बीच पुंजस ने आगरा से वरुण के दोस्त को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। हालांकि अब तक वह सिर्फ वरुण की पारिवारिक पृष्ठभूमि ही बता रहा है। उसने पुलिस को बताया कि वरुण के पिता की तीन शादियां हैं। दो पत्नी की मौत हो चुकी है। एक सौतेली बहन है, वह पटियाला में रह रही है। मां की मौत के बाद से ही वरुण ने परिवार से संपर्क करना छोड़ दिया। इधर, रिटायर्ड आईएस का बेटा अमेरिका से लौट आया है। घटना के बाद उनकी पत्नी निशी अग्रवाल की देखभाल और घर की जिम्मेदारी उनके दो भाई संभाल रहे हैं। दोनों भोपाल पहुंचे हैं। इनमें एक आईपीएस हैं, जबकि दूसरे गुडगांव की एक कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत हैं। संभवतः आज राकेश अग्रवाल का अंतिम संस्कार हो सकता है। जांच में पता चला है कि वारदात के पहले वरुण ने राकेश अग्रवाल की पत्नी का कमरा बाहर से बंद कर दिया



आरोपी वरुण का आधार कार्ड। राकेश अग्रवाल

1 करोड़ के लेन-देन का भी खुलासा
घटना में अजीत पाटनी नामक व्यक्ति का नाम सामने आया है। पाटनी के साथ राकेश अग्रवाल की व्यवसायिक रंजिश थी। जिसके खिलाफ उन्होंने 11 महीने पूर्व जालसाजी का प्रकरण दर्ज कराया था। इसमें गवाही होने वाली थी। बताते हैं, निवेश के नाम पर पाटनी ने अग्रवाल से 1 करोड़ से ज्यादा की रकम किस्तों में ली। इसके बाद रुपए नहीं लौटाए। अग्रवाल ने इस मामले में क्राइम ब्रांच में शिकायत की थी। इसी केस में पाटनी को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। इस खुलासे के बाद पुलिस की जांच में कॉन्ट्रैक्ट किलिंग का एंगल भी जुड़ गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी बीना से आगरा गया था। उसके पास अग्रवाल का मोबाइल है। उसने बीना में इसे थोड़ी देर के लिए ऑन किया और फिर बंद कर लिया। बाद में उसका लोकेशन आगरा में मिला। इसके बाद उसके दोस्त को आगरा से पकड़ा। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार का कहना है कि उसकी तलाश में 100 अफसरों की फौज लगाई है।

था। हत्या के बाद वह नकदी और जेवर लेकर फरार हो गया। घर के दूसरे कर्मचारी अमर सिंह की रिपोर्ट पर रातीबड़ पुलिस ने केस दर्ज किया है। अमर सिंह उत्तराखंड का रहने वाला है।

राजभाषा पखवाड़ा-2026 का समापन, उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

हिन्दी आत्मीयता, संवेदना व संस्कृति का दर्पण : कोहाड़े

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजभाषा हिन्दी का प्रयोग केवल औपचारिक पखवाड़े तक सीमित न रहकर दैनिक सरकारी कामकाज और जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। हिन्दी हमारे लिए आत्मीयता, संवेदना और संस्कृति का दर्पण है। संकल्प लेकर हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग से इसे देश ही नहीं, विश्व की अग्रणी भाषा बनाया जा सकता है। यह बात सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, पश्चिम मध्य रेल, भोपाल के मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल बी. कोहाड़े ने राजभाषा अनुभाग द्वारा आयोजित राजभाषा पखवाड़ा-2026 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में कही।

पखवाड़े के दौरान हुई कई तरह की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस दौरान समारोह में हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पी.एस. रघुवंशी,



उप मुख्य यात्रिक इंजीनियर ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के राजभाषा संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर कारखाने की राजभाषा पत्रिका के नवीन अंक 'राजभाषा विशेषांक' का लोकार्पण किया गया।

सांस्कृतिक अकादमी ने 'मन की भाषा' नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक को देख सभी गदगद हो गए। वहीं, युवा कवि सुखेन्द्र साहू ने

हिन्दी गीत सुनाया। कार्यक्रम में हिन्दी हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन युवा कवि कुमार अखिलेश और जयश्री ठाकुर ने किया। अंत में सहायक कार्मिक अधिकारी एवं संपर्क राजभाषा अधिकारी संदीप शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैंकर-अफसर बनकर लोगों को छला, केस दर्ज

साइबर ठगों का ‘आतंक’, 24 घंटे में 25 शिकार, खातों से उड़ाए 15 लाख रुपए से ज्यादा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में साइबर जालसाज अलग-अलग तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। बीते 24 घंटे में साइबर ठगी के 25 मामले सामने आए हैं। जिसमें पीड़ितों से 15 लाख रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी की गई। किसी को बैंक के क्रेडिट कार्ड वेरिफिकेशन के नाम पर झांसा दिया गया, तो किसी को सीआरपीएफ अधिकारी का सामान सस्ते में दिलाने और कपड़े वापस कराने के बहाने ठगा गया। पिपलानी के सोनागिरी निवासी भेल कर्मचारी कमलेश पटेल को फोन कर कॉलर ने खुद को बैंक के वेरिफिकेशन विभाग का कर्मचारी बताया। आरोपी ने एसबीआई और फेडरल बैंक के क्रेडिट कार्ड का वेरिफिकेशन करने के नाम पर कार्ड की जानकारी ली और गूगल पर कुछ सर्च करने को कहा। इसके बाद मोबाइल का एक्सेस उसके हाथ में चला गया। कुछ देर में फेडरल बैंक से 90 हजार और एसबीआई से 90-90 हजार रुपए की दो ट्रांजेक्शन कर कुल 2.70 लाख रुपए निकाल लिए।

वहीं, शाहपुरा निवासी नरेंद्र रैकवार के आइडीबीआई बैंक खाते से गूगल पे के जरिए ठगी कर ली गई। जालसाजों ने 30-30 हजार रुपए की तीन और 22 हजार रुपए की एक ट्रांजेक्शन कर कुल 1.12 लाख रुपए निकाल लिए।



अज्ञात लिंक से उड़ाए 1.62 लाख रुपए

अशोका गार्डन निवासी मनोज साहू के पंजाब नेशनल बैंक खाते से पांच यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिए 1.62 लाख रुपए निकाल लिए गए। शिकायत में अज्ञात लिंक के जरिए ठगी किए जाने की बात सामने आई है। आरोपितों ने खाते से अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर रकम निकाल ली। मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

सीआरपीएफ अधिकारी का सामान दिलाने के नाम पर 1.21 लाख ठगे

अवधपुरी निवासी 70 वर्षीय सत्यार्थ प्रकाश अग्रवाल को परिचित के जरिए सीआरपीएफ अधिकारी का घरेलू सामान बेचने का झांसा दिया गया। आरोपितों ने टीवी, फ्रिज, एसी समेत अन्य सामान देने के नाम पर पहले 60 हजार रुपए लिए। इसके बाद सिवयोरिटी चार्ज के नाम पर 40 हजार और फिर 21 हजार रुपए और जमा करा लिए। 1.21 लाख रुपए लेने के बाद आरोपितों ने संपर्क बंद कर दिया।

चंदेरी के जंगल में फँकी थी ड्राइवर-क्लीनर की लाश

सीरियल किलर खामरा समेत दो को दोहरी उम्रकैद की सजा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आठ साल पहले ट्रक ड्राइवर और क्लीनर की हत्या कर माल समेत ट्रक को बेचने वाले सीरियल किलर आदेश खामरा और सहआरोपी जयकरण प्रजापति को कोर्ट ने दोहरी उम्रकैद की सजा सुनाई। अपर सत्र न्यायाधीश आशुतोष शुक्ल की कोर्ट ने दोनों पर 11 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने लूट ट्रक के बेचने में मदद के आरोपी साबब सिंह उर्फ बलजिंदर सिंह व सुनील खटीक को 3 साल के कठोर कारावास और 3 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन के

अनुसार फरियादी संत शरण सिंह ने जून 2018 में अशोका गार्डन थाने में अपने ड्राइवर राजेश पंवार और क्लीनर नूर खां के खिलाफ शिकायत की थी कि उन्होंने दोनों को धर्मकांटा भोपाल के पास ट्रक खड़ा करने कहा था। अगले दिन जब वो ट्रक लेने गए तो ट्रक नहीं मिला। फरियादी ने राजेश पंवार और नूर खां को फोन किया तो फोन भी नहीं लगा। पुलिस ने ट्रकों आरोपियों से पूछताछ की तो बताया, ट्रक बेच दिए थे। ड्राइवर पंवार और क्लीनर नूर खां की हत्या कर शव चंदेरी और मुंगावली के जंगल में फेंक दिया था।

ट्रस्ट ने की शिकायत तो खुली पोल

डीलर ने नई के नाम पर थमा दी पुरानी कार, धोखाधड़ी का केस दर्ज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

श्री रामकृष्ण चैरिटेबल ट्रस्ट, सतना ने भोपाल स्थित 'क्राउन स्कोडा' कार डीलरशिप पर पुरानी स्कोडा कोडियाक गाड़ी को नई बताकर बेचने का गंभीर आरोप लगाया है। ट्रस्ट की शिकायत पर अयोध्या नगर पुलिस ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रस्ट की ओर से मनीषा पंजवानी ने शिकायत की, कार 28 जून को सतना में डिलीवर की गई थी। गाड़ी मिलने के तुरंत बाद ही उसमें व्हील-अलाइममेंट की समस्या आई। खराब सड़कों पर ड्राइव करते समय उससे अजीब आवाजें आने लगीं। इसके बाद गाड़ी को जांच के लिए भोपाल भेजा गया।

1,000 किलोमीटर चल चुकी थी गाड़ी

शिकायत में खुलासा हुआ है कि जब कार भोपाल पहुंची तो उसका ओडोमीटर करीब 1,000 किलोमीटर चल चुका था। डीलरशिप के कर्मचारियों ने सफाई देते हुए कहा कि यह रीडिंग इसलिए है क्योंकि गाड़ी को पुणे प्लांट से सड़क मार्ग (ड्राइव करके) लाया गया था। ट्रस्ट ने आरोप लगाया है कि बिंदी से पहले इस कार का इस्तेमाल 'डैमोस्ट्रेशन व्हील' के रूप में किया गया था और डीलरशिप के प्रबंध निदेशक द्वारा इसका निजी इस्तेमाल भी किया गया था। अयोध्या नगर पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है।

मेट्रो एंकर देश में मरीजों की जरूरत देख केंद्र सरकार ने 8 साल पहले मोटर व्हीकल एक्ट में किया था प्रावधान

शहर में हर साल 55 हजार डीएल बन रहे, जागरूकता नहीं..1 फीसदी लोग भी नहीं भर रहे अंगदान का विकल्प

भोपाल। दोपहर मेट्रो

देश में जरूरतमंद मरीजों के लिए दिल समेत अन्य मानव अंगों की भारी कमी को देखते हुए केंद्र सरकार ने 8 साल पहले मोटर व्हीकल एक्ट में संशोधन कर ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) के आवेदन फॉर्म में अंगदान का विकल्प जोड़ा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के निदेश पर परिवहन विभाग ने ड्राइविंग लाइसेंस के फॉर्म में अंगदान से जुड़ा कॉलम तो जोड़ दिया, लेकिन इसके बारे में जागरूकता और प्रचार-प्रसार के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं किए गए। नतीजा यह रहा कि लोगों ने ड्राइविंग लाइसेंस तो बनवाए, लेकिन



इसमें अंगदान के विकल्प का कॉलम ही नहीं भरा। राजधानी भोपाल में हर साल बन रहे करीब 55 हजार से ज्यादा ड्राइविंग लाइसेंस में से एक प्रतिशत भी डीएल धारक अंगदान नहीं बन पा रहे हैं। जानकारों का मानना है कि यदि परिवहन विभाग अपने स्तर पर लाइसेंस बनवाने वाले आवेदकों को अंगदान के महत्व और इस विकल्प की जानकारी दे, तो

मोटर व्हीकल एक्ट, 1989 में संशोधन कर यह कॉलम जोड़ा गया था। मंशा यह थी कि यदि कोई व्यक्ति अंगदान की इच्छा रखता है तो वह फॉर्म में विकल्प चुन सके। लेकिन जागरूकता व प्रचार-प्रसार के अभाव में अधिकांश आवेदकों को इसकी जानकारी ही नहीं है।

2018 में हुई थी शुरुआत

अंगदान के लिए सहमति देने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इसका फायदा उन जरूरतमंद मरीजों को मिल सकता है, जिन्हें अंग प्रत्यारोपण की जरूरत होती है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने 2018 से देश भर के सभी आरटीओ को ड्राइविंग लाइसेंस के फॉर्म में ऑर्गन डोनर का कॉलम जोड़ने के निर्देश दिए थे।

फॉर्म में ऑप्शन चुना तो ड्राइविंग लाइसेंस पर पर जारी किया जाता है विशेष चिह्न...

जब कोई व्यक्ति ड्राइविंग लाइसेंस के फॉर्म में ऑर्गन डोनर के विकल्प में हां भरता है तो उसके लाइसेंस पर एक विशेष चिह्न बनकर आता है। इसका लाभ यह है कि किसी घटना में व्यक्ति की असमय मृत्यु हो जाए या वह ब्रेन डेड हो जाए तो डॉक्टर उसके ड्राइविंग लाइसेंस से यह पता लगा सकते हैं कि उसने अंगदान की इच्छा

जताई थी। ऐसे में समय रहते उसके अंगों को सुरक्षित निकालकर प्रत्यारोपण के लिए उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में मदद मिल सकती है। जानकारी के अभाव में ज्यादातर आवेदक इस कॉलम को खाली छोड़ देते हैं या इसे नहीं भरते हैं। नतीजा, सरकार का अंगदान को बढ़ावा देने का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है।

शिकंजा : आयुष्मान अस्पतालों की बदली व्यवस्था

मान्यता नहीं तो मरीजों को बदलना पड़ेगा अस्पताल, 300 निजी अस्पतालों पर असर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत ‘निरामयम’ योजना से जुड़े अस्पतालों के लिए नई व्यवस्था लागू हो गई है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में योजना के तहत मरीजों का इलाज करने वाले अस्पतालों के लिए राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाता मान्यता बोर्ड की मान्यता जरूरी होगी। यह शर्त निजी अस्पतालों के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि चारों शहरों में बड़ी संख्या में ऐसे अस्पताल हैं जो अभी इस मान्यता की निर्धारित श्रेणी में नहीं आते।

नई व्यवस्था पहले 1 अप्रैल 2026 से लागू होनी थी। अस्पतालों को जरूरी तैयारी और मान्यता हासिल करने का समय देने के लिए इसकी समय सीमा छह महीने बढ़ाकर 1 अक्टूबर कर दी गई थी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में आयुष्मान योजना से 739 अस्पताल संबद्ध हैं। इन्में करीब 310 अस्पतालों के पास मान्यता प्रमाणपत्र उपलब्ध है। सरकारी अस्पतालों को अलग रखने पर लगभग 300 निजी अस्पताल ऐसे बताए जा रहे हैं, जिनकी योजना से संबद्धता नई शर्त से प्रभावित हो सकती है।

निर्धारित मानक पूरे नहीं करने वाले अस्पतालों को आयुष्मान संबद्धता समाप्त होने की स्थिति में वहां योजना के तहत बिना भुगतान इलाज की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी। ऐसे में मरीजों को दूसरे संबद्ध अस्पतालों में जाना पड़ सकता है। इससे मान्यता प्राप्त अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ने और इलाज के लिए प्रतीक्षा अवधि बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इस बदलाव का असर मरीज के आयुष्मान कार्ड या योजना के तहत मिलने वाले प्रति परिवार सालाना पांच लाख रुपये तक के मूल उपचार कवरेज पर नहीं पड़ेगा।

इलाज की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा पर जोर

अस्पतालों को मान्यता देने की प्रक्रिया में इलाज की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा से जुड़े कई मानकों की जांच की जाती है। इनमें साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, नर्सिंग व्यवस्था, आपातकालीन सेवाएं, मरीजों के अभिलेख और शल्य चिकित्सा से जुड़ी प्रक्रियाएं शामिल हैं।



दवा उपचार वाले पैकेज में नियम ज्यादा सख्त

नई व्यवस्था में दवा उपचार से जुड़े पैकेज के लिए मान्यता की शर्त अधिक कड़ी रखी गई है। चारों शहरों में इस पैकेज के तहत इलाज जारी रखने के लिए अस्पताल के पास पूर्ण मान्यता प्रमाणपत्र होना आवश्यक होगा। जिन अस्पतालों के पास फिलहाल प्रवेश स्तर का मान्यता प्रमाणपत्र है, उन्हें उसके वैध रहने तक दवा

उपचार पैकेज के तहत इलाज की अनुमति रहेगी। प्रमाणपत्र की अवधि समाप्त होने के बाद पूर्ण मान्यता लेना अनिवार्य होगा। अन्य आयुष्मान उपचार पैकेजों के लिए कम से कम प्रवेश स्तर की मान्यता आवश्यक होगी। यानी अब केवल आयुष्मान योजना से संबद्ध होना अस्पताल के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

निजी अस्पतालों ने जताई नाराजगी

निजी अस्पताल संचालकों ने नई व्यवस्था के साथ आयुष्मान योजना के भुगतान में कथित देरी का मुद्दा भी उठाया है। यूनाइटेड प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सरकार से बकाया भुगतान जल्द जारी करने की मांग की है। सगठन के उपाध्यक्ष डॉ. धनंजय मिश्रा के अनुसार, कई अस्पतालों को पांच से छह महीने से भुगतान नहीं मिला है, जिससे दवा विक्रेताओं और कर्मचारियों को भुगतान करने में परेशानी हो रही है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विशाल सिंह बघेल ने मान्यता की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की है।

पूर्ण मान्यता वाले अस्पतालों को सीधा लाभ

जिन अस्पतालों के पास पहले से पूर्ण मान्यता प्रमाणपत्र है, उन्हें आवेदन के बाद सीधे योजना से जुड़ने की सुविधा मिलेगी। ऐसे अस्पतालों के लिए अलग निरीक्षण की जरूरत नहीं होगी। दूसरी ओर, अन्य अस्पतालों को पहले प्रवेश स्तर की मान्यता हासिल करनी होगी और निर्धारित अवधि में पूर्ण मान्यता प्राप्त करनी होगी। गुणवत्ता के आधार पर अस्पतालों को अतिरिक्त भुगतान का प्रावधान भी है। पूर्ण मान्यता वाले अस्पतालों को दवा की राशि का 115 प्रतिशत, जबकि प्रवेश स्तर की मान्यता वाले अस्पतालों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त भुगतान का प्रावधान बताया गया है। मरीजों की प्रतिक्रिया के जरिए भी अस्पतालों की सेवाओं की निगरानी की जाएगी।

फिलहाल चार शहरों तक सीमित है व्यवस्था

यह बदलाव देशभर में आयुष्मान योजना के मूल नियमों में परिवर्तन नहीं है। मध्यप्रदेश में राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति के निर्णय के आधार पर इसे फिलहाल भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के अस्पतालों की संबद्धता से जोड़ा गया है। 30 जून 2026 तक देशभर में 37,413 सरकारी और निजी अस्पताल आयुष्मान योजना के नेटवर्क में शामिल हैं। नई व्यवस्था का उद्देश्य अस्पतालों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देना है, लेकिन इसके साथ निजी अस्पतालों की संबद्धता और मरीजों के लिए उपलब्ध अस्पतालों की संख्या को लेकर भी स्थिति महत्वपूर्ण बनी हुई है।

अमित शाह कल करेंगे डिजिटल भूमि-पूजन

उज्जैन में 255 करोड़ का डेयरी प्लांट, 3 लाख लीटर दूध की रोज होगी प्रोसेसिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में डेयरी क्षेत्र को नई रफ्तार देने की दिशा में उज्जैन में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। उज्जैन और आसपास के इलाकों में बढ़ती दुग्ध उपलब्धता को देखते हुए मध्यप्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ की ओर से 255 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक डेयरी प्लांट स्थापित किया जा रहा है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 3 अक्टूबर को भोपाल से इस परियोजना का डिजिटल भूमि-पूजन करेंगे। परियोजना के पूरा होने के बाद क्षेत्र में दूध के प्रसंस्करण के साथ विभिन्न डेयरी उत्पादों के उत्पादन और मूल्यवर्धन को बढ़ावा मिलेगा।

परियोजना की कुल लागत 255 करोड़ रुपये रखी गई है। इसमें 170 करोड़ रुपये राज्य शासन की ओर से अनुदान के रूप में दिए जाएंगे, जबकि बाकी 85 करोड़ रुपये दुग्ध संघ ऋण के माध्यम से जुटाएगा। प्लांट के निर्माण को अगले दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह संयंत्र उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में दुग्ध संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण और उत्पाद तैयार करने की क्षमता को मजबूत करेगा।



दूध, दही, लस्सी से लेकर घी तक बनेगा

प्रस्तावित डेयरी प्लांट की शुरुआत 3 लाख लीटर प्रतिदिन दूध प्रसंस्करण क्षमता के साथ होगी। भविष्य में इसे बढ़ाकर 5 लाख लीटर प्रतिदिन तक किया जा सकेगा। क्षमता विस्तार का प्रावधान पहले से परियोजना में रखा गया है। इससे क्षेत्र में दूध उत्पादन बढ़ने के साथ उसके प्रसंस्करण के लिए पर्याप्त आधारभूत ढांचा भी उपलब्ध होगा। नए प्लांट में उपभोक्ताओं की जरूरत के मुताबिक कई तरह के डेयरी उत्पाद तैयार किए जाएंगे। यहां प्रतिदिन 1.50 लाख लीटर पैकड मिल्क, 25 हजार लीटर दही और 10 हजार लीटर लस्सी व छाछ तैयार करने की क्षमता होगी। इसके साथ ही 10 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता का घी संयंत्र भी स्थापित किया जाएगा। आधुनिक प्रसंस्करण तकनीक के जरिए दूध से अधिक से अधिक मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने पर जोर रहेगा।

दूध उत्पादकों को मिलेगा बड़ा बाजार

परियोजना का असर केवल प्रसंस्करण क्षमता तक सीमित नहीं रहेगा। इससे क्षेत्र के दुग्ध उत्पादकों से प्राप्त दूध का बेहतर उपयोग और मूल्यवर्धन संभव होगा। दूध को स्थानीय स्तर पर ही बड़े पैमाने पर प्रसंस्कृत करने की सुविधा मिलने से डेयरी गतिविधियों के विस्तार का आधार मिलेगा। इसके साथ ही संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन की व्यवस्था को भी मजबूत करने में मदद मिलेगी।

प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब का सख्त संदेश

तीन महीने में सुलझाओ गुटबाजी अगर कोई नहीं माने तो लिस्ट भेजिए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश भाजपा के नए प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने संभाग और जिला प्रभारियों से कहा- गुटबाजी और नाराजगी तीन महीने में दूर करें। आपसी मतभेद बातचीत से सुलझाएं। समझाने के बाद भी कोई नहीं मानता है तो उनके नाम और मोबाइल नंबर की सूची प्रदेश नेतृत्व और प्रभारी की भेजे। देब ने कहा- नेताओं के स्वागत में जैसीबी से फूल बरसाने की संस्कृति तत्काल बंद करिए। बड़ी मालाओं और दिखावे की जगह सादगी अपनाइए। होर्डिंग और बैनर में नेताओं की बड़ी तस्वीरों की बजाय केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार कीजिए।

उन्होंने कहा- पार्टी संगठन का इस्तेमाल खुद के प्रचार के लिए नहीं, बल्कि सरकार के काम और योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए किया जाए। पदाधिकारी देखें कि सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं। देब ने अपने पहले संगठनात्मक दौर में प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों और मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक ली। इससे पहले बुधवार को उन्होंने मध्यप्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ कोर कमेटि की बैठक की थी। भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिप्लब देब ने कहा- कोर कमेटि और प्रदेश इकाई की बैठकों का उद्देश्य मध्यप्रदेश के संगठन को मजबूत करना है। संगठन और सरकार के माध्यम से जनता को सकारात्मक परिणाम मिलना चाहिए। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ अध्यक्ष तक सभी से मिलकर काम करने की अपील की।



भाजपा काम करने के लिए आती है सत्ता में

देब ने कहा कि भाजपा सत्ता में आने के लिए सत्ता में नहीं आती। पार्टी अंतिम व्यक्ति का काम करने के लिए सत्ता में आती है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ नीचे तक पहुंचने, इसका फॉलोअप करना संगठन का नैतिक दायित्व है। संगठन और सरकार दोनों के काम का लाभ जनता तक पहुंचना चाहिए। अगले 2-3 महीने में परिणाम दिखेंगे- जब देब से पूछा गया कि दो दिन के प्रवास में उन्हें सरकार या संगठन में कहां कमी

नजर आई, तो उन्होंने कहा कि उन्हें मध्यप्रदेश आए अभी डेढ़ दिन ही हुआ है। उन्होंने सकारात्मक व्यवस्था में विश्वास जताते हुए कहा कि इस तरह के सवाल पूछने से अभी कोई जवाब नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन महीनों में सरकार और संगठन जिस दक्षता से काम कर रहे हैं, उसका लाभ दिखाई देगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे नुकसान नहीं, बल्कि सकारात्मक परिणाम ही देखने को मिलेंगे।

देब ने कहा- जिलों और गांवों तक जाएंगे

अपने अगले दौरों को लेकर देब ने कहा- वे संगठन के व्यक्ति हैं। संगठन के लोगों के साथ बैठना, बातचीत करना और उनसे सीखना उन्हें अच्छा लगता है। वे सीखने के लिए भी आए हैं। बुध पर काम करने वाले छोटे-छोटे कार्यकर्ताओं के पास भी बहुत कुछ सीखने लायक होता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भाजपा के लिए संगठन का तीर्थ क्षेत्र है। इसलिए प्रभारी के नाते वे दूसरे जिलों के साथ गांवों और बूथों तक जाएंगे और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करेंगे। सरकार और संगठन के बीच कोऑर्डिनेशन को लेकर देब ने कहा कि यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। जिन्होंने समझ लिया कि समन्वय बेहतर कर लिया है, वे भी गलत हैं, क्योंकि इसे लगातार बेहतर करने की प्रक्रिया चलती रहती है। उन्होंने कहा कि वे व्यवस्था में विश्वास करते हैं और व्यवस्था के अनुसार काम करेंगे।

गांधी जयंती पर सीएम मोहन ने किया बापू को नमन, बोले-

सत्य और अहिंसा का मार्ग आज भी प्रासंगिक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और प्रदेश व देशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के संकल्प के माध्यम से मानवता और विश्व शांति को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि बापू के विचार सत्य, शांति, स्वच्छता और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से गांधीजी के आदर्शों को अपने आचरण में अपनाकर समाज और राष्ट्र के कल्याण में योगदान देने का आह्वान किया।



वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय वन्य-जीव सप्ताहका आयोजन

भोपाल। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में जुड़े आवास, वन्य-जीवन का विकास थीम पर राज्य स्तरीय वन्य-जीव सप्ताह 2026 के प्रथम दिन का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ उपस्थित अधिकारियों द्वारा चिन्करी कर सांकेतिक रूप से किया गया। वन्य-जीव सप्ताह के अवसर पर प्रथम दिन आयोजित चिन्कला प्रतियोगिता में लगभग 1200 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही %एक फोटो, एक कहानी+ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों से वन्य-जीव एवं प्रकृति से संबंधित अपने 52 फोटो एवं उनसे सम्बंधित कहानियों की प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। आगंतुकों द्वारा संकल्प लेने के लिये वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पांच स्थलों पर संरक्षण दीवार लगाई गई है।

नर्सिंग से जुड़े छात्रों को बड़ी राहत

अब पंजीयन से प्रमाणपत्र तक सब कुछ ऑनलाइन काउंसिल कार्यालय के चक्कर लगाने से बचेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने नर्सिंग विद्यार्थियों से जुड़े पंजीयन और दस्तावेजी कार्यों को आसान बनाने की दिशा में डिजिटल व्यवस्था लागू की है। नई व्यवस्था के तहत ऑनलाइन पंजीयन और स्वचालित प्रक्रिया शुरू की गई है। इसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा, जिन्हें अब पंजीयन से जुड़े काम, अंकसूची और प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए बार-बार काउंसिल कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। काउंसिल का दावा है कि डिजिटल प्रक्रिया से कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी और विद्यार्थियों के समय के साथ संसाधनों की भी बचत होगी।

काउंसिल की चेयरपर्सन डॉ. बीनू



कुशवाह ने बताया कि ऑनलाइन व्यवस्था शुरू करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सरल, सुविधाजनक और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना है। पंजीयन से जुड़े कार्यों को डिजिटल माध्यम से पूरा करने की सुविधा मिलने से विद्यार्थियों को कार्यालय आने-जाने में लगने वाला समय बचेगा। साथ ही कागजी प्रक्रिया पर निर्भरता भी कम होगी।

अंकसूची और प्रमाण पत्र के लिए भी राहत

नई व्यवस्था का दायरा केवल पंजीयन तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों को अंकसूची और प्रमाणपत्र जैसे जरूरी दस्तावेज हासिल करने में भी डिजिटल प्रक्रिया का लाभ मिलेगा। इससे विद्यार्थियों को अलग-अलग काम के लिए काउंसिल कार्यालय पहुंचने की जरूरत कम होगी। खासतौर पर दूसरे शहरों और जिलों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है।

मेट्रो एंकर

मप्र में 10 अक्टूबर तक जुड़ेंगे वोटर्स के नाम

नए और छूटे मतदाताओं के नाम जोड़ने चलेगा अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में नए वोटर्स और छूटे हुए मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 10 अक्टूबर 2026 तक जारी रहेगा। 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं से भी आवेदन लिए जाएंगे। आयोग ने कहा है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, इसलिए गैर-एसआईआर चरण में फॉर्म-6 और फॉर्म-8 के साथ घोषणा पत्र की आवश्यकता नहीं है। जिलों में बीएलओ द्वारा अपने क्षेत्र में जांच कर छूटे हुए एवं नए पात्र मतदाताओं के नाम

लगाए जाएंगे शिविर

विशेष अभियान के तहत मतदान केंद्रों के साथ-साथ स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थानों में शिविर लगाए जाएंगे। पात्र युवाओं से फॉर्म-6 भरवाकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पात्र युवा ECINET App या वोटर्स पोर्टल के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मतदाता सूची में जोड़ने के लिए आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं से भी आवेदन लिए जाएंगे।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के जंगलों, पहाड़ों, वन्यजीवों और ऐतिहासिक विरासत को रोमांच के नजरिए से देखने का नया अवसर तैयार हुआ है। प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 10 दिवसीय विशेष मोटरसाइकिल एक्सपीडिशन की शुरुआत भोपाल से हुई। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने हरी झंडी दिखाकर करीब 1,520 किलोमीटर लंबे अभियान को खाना किया। देश-विदेश से आए 22 राइडर्स इस यात्रा के जरिए प्रदेश के अलग-अलग इलाकों की प्राकृतिक और सांस्कृतिक खूबसूरती को करीब से



अनुभव करेंगे। इस अभियान में भारत के नौ राज्यों से राइडर्स शामिल हुए हैं। महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और केरल के प्रतिभागी इस रोमांचक सफर का हिस्सा हैं। इनके साथ फ्रांस के

पेरिस से आई 55 वर्षीय फैबिएन क्रिस्टीन जैनिन ड्यूपुइस भी अभियान में शामिल हैं। प्रदेश के जंगलों और वन्यजीव क्षेत्रों को मोटरसाइकिल से देखने को लेकर वह विशेष रूप से उत्साहित हैं।

1 से 10 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान का मार्ग भोपाल से शुरू होकर पचमढ़ी, पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना से गुजरते हुए फिर भोपाल पहुंचेगा। राइडर्स हाल ही में पेश की गई रॉयल एनफील्ड बुलेट 650 पर सवार होकर पहाड़ों, जंगलों से बिरे और चुनौतीपूर्ण रास्तों से गुजरेंगे। यात्रा का समापन भोपाल में आयोजित होने वाले 7वें मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट के विशेष समारोह में किया जाएगा। अभियान के दौरान राइडर्स को मध्यप्रदेश के प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों का अनुभव भी कराया जाएगा। पेंच, कान्हा और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सुबह की विशेष जीप सफारी इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण होगी।

पर्यटन बोर्ड और रॉयल एनफील्ड की दो साल की साझेदारी

यह अभियान मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और रॉयल एनफील्ड के बीच 2026 से 2028 तक चलने वाली दो वर्षीय रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत का प्रतीक है। साझेदारी के तहत प्रदेश में अनुभव आधारित और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए मार्ग तैयार किए जाएंगे। इन मार्गों में मोटरसाइकिल यात्राओं के साथ स्थानीय पर्यटन स्थलों को जोड़ने पर जोर रहेगा। आने वाले दो वर्षों में ऑफ-रोड ट्रेल, विरासत यात्राओं और प्राकृतिक दृश्यों से भरपूर मार्गों पर आधारित नए मोटरसाइकिल रूट विकसित किए जाएंगे।

जब किसी देश की सर्वोच्च अदालत को बार-बार यह याद दिलाना पड़े कि नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और अधिकारों की रक्षा व्यवस्था की प्राथमिक जिम्मेदारी है, तो चिंता केवल अदालत के सामने आए मामलेों तक सीमित नहीं रहती। वह शासन-प्रशासन की कार्यशैली पर भी एक बड़ा सवाल बन जाती है। हाल में सुप्रीम कोर्ट के सामने आए अलग-अलग मामले इसी बेचैनी की तस्वीर पेश करते हैं। दिल्ली-एनसीआर में दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लेते हुए अदालत की चिंता इसलिए गंभीर है क्योंकि यह देश की राजधानी

का सवाल है। जहां संसद, सर्वोच्च न्यायालय और केंद्रीय प्रशासनिक तंत्र मौजूद हो, वहां महिलाओं का स्वयं को असुरक्षित महसूस करना केवल अपराधियों की विफलता नहीं, सुरक्षा व्यवस्था की भी परीक्षा है। निर्भया कांड के बाद कानून बदले, व्यवस्थाएं बदलीं, लेकिन यदि भय पूरी तरह खत्म नहीं हुआ तो सवाल कानून की मौजूदगी से ज्यादा उसके प्रभावी क्रियान्वयन का है। यातायात के हज़ारों करोड़ रुपये के लंबित चालानों की वसूली के लिए बिजली बिल से जोड़ने का सुझाव भी इसी समस्या का

व्यवस्था कब जागेगी ?

सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। हालांकि किसी नई वसूली व्यवस्था को लागू करने से पहले उसके कानूनी और व्यावहारिक पक्षों पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। डिजिटल भुगतान पर शुल्क, बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच, पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी और कैंसर की दवाओं पर अनुचित मुनाफे जैसे मुद्दे भी नागरिक जीवन की बदलती चुनौतियों को सामने रखते हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था सुविधा का

माध्यम बने, लेकिन उसका भार आम नागरिक पर अनावश्यक रूप से न पड़े। खाद्य पदार्थों और दवाओं के मामले में उपभोक्ता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि वह क्या खरीद रहा है और उसके स्वास्थ्य पर उसका क्या असर पड़ सकता है। शिक्षा में त्रिभाषा व्यवस्था को लेकर अदालत के निर्देश भी बताते हैं कि नीति बनाते समय उसके जमीनी प्रभावों का आकलन कितना आवश्यक है। बच्चों पर किसी भी शैक्षिक व्यवस्था का बोझ उनकी सीखने की क्षमता और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तय होना चाहिए।

गांधी जयंती विशेष

महात्मा गांधी के गांव गणराज्य का सपना पूरा करने में विफल रही सरकारें

राज कुमार सिन्हा

स्तंभकार



अगस्त 1947 में देश की स्वतंत्रता दिवस पर गांधीजी ने कहा था कि मेरे सपनों का भारत सात लाख गांव गणराज्यों का संघ होगा। भारत के संविधान के अनुच्छेद 40 के तहत से यह उम्मीद की गई थी कि राज्य ग्राम पंचायतों का संगठन करने के लिए कदम उठाएगा और उनको ऐसी शक्तियां और प्राधिकार प्रदान करेगा जो उन्हें स्वायत्तता की इकाइयों के रूप में कार्य करने योग्य बनाने के लिए आवश्यक हों। इस संवैधानिक निर्देश के पालन में केन्द्र और राज्य सरकार विफल रही। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1952 में आदिवासी वयवस्था के लिए पंचशील निर्धारित किये। इनमें बिना बाहरी हस्तक्षेप के समाज द्वारा अपनी परम्परा के अनुसार अपनी व्यवस्था करने का अधिकार मुख्य बिन्दु था। 1956 में बलवंत राय समिति ने देश में तीन स्तरीय पंचायत व्यवस्था के लिये सिफारिश की थी। उसी के अनुसार जिला, विकास खंड और गांव स्तर पर पंचायतों का गठन हुआ। इस व्यवस्था में ग्राम सभा की भूमिका पर ध्यान नहीं दिया गया।

इस समिति की यह मान्यता थी कि गांव समाज अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से ही अपने अधिकार का प्रयोग कर सकता है। इसके लिए फिर से 1978 में अशोक मेहता समिति का गठन किया गया। इस समिति के समक्ष भारत सरकार की ओर से गृह मंत्रालय के तत्कालीन संयुक्त सचिव डॉक्टर ब्रह्म देव शर्मा ने आदिवासी क्षेत्रों के लिए ग्राम सभा के रूप में गांव समाज को अपनी पूरी व्यवस्था करने के लिए अधिकार देने का प्रस्ताव किया। परन्तु समिति ने उस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया उसके अनुसार ग्राम सभा को कुछ जिम्मेदारियां दी जा सकती है, अधिकार नहीं।

ग्राम सभा पंचायत राज व्यवस्था की आधारशिला होना चाहिए। इसके बिना प्रजातंत्रिक विकेंद्रीकरण तो अर्थहीन रहेगा ही वरन् स्वयं लोकतंत्र कमजोर होकर टूट सकता है। अनुसूचित क्षेत्रों के लिए सामान्य पंचायत व्यवस्था असंगत था। संविधान में पंचायत राज के लिए विशेष व्यवस्था करने के लिए 1988 में राजीव गाँधी के नेतृत्व में संविधान संशोधन प्रस्तावित हुआ। इस विधेयक में अनुसूचित क्षेत्रों को पंचायत राज की सामान्य व्यवस्था से बाहर रखा गया था। उसमें संबंधित राज्यपालों से उम्मीद की गई थी कि वे अपने-अपने राज्य में अनुसूचित क्षेत्रों के लिए विशेष व्यवस्था करेंगे।परन्तु इस विधेयक को संसद की मंजूरी नहीं मिल पाई।1990 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आयुक्त डॉक्टर ब्रह्मदेव शर्मा ने राष्ट्रपति को 29 वीं रिपोर्ट दिया।इस रिपोर्ट को संसद में बहस के लिए भी रखा गया परन्तु रिपोर्ट पर चर्चा नहीं करायी गया। संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत आयुक्त ने राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट में अन्य बातों के अलावा अंग्रेजी राज्य की उस कानून व्यवस्था को संविधान की भावना और नैसर्गिक न्याय के खिलाफ बताया, जिसके कारण वो वह जन्मजात अपराधी हो गया और उसके जिंदगी के बुनियादी अधिकार की कदम-कदम पर अवमानना होती रही है। इसमें शिफारिश की गई कि कम से कम आदिवासी इलाकों में पूरी तरह स्वशासी व्यवस्था



योजनाओं पर चर्चा करने वाली संस्था के बजाय स्थानीय शासन की मूल इकाई के रूप में स्थापित करना होगा। विशेष रूप से अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा की मूल भावना के अनुरूप ग्राम सभा को भूमि, जंगल, जल, खनिज, लघु वनोपज और स्थानीय संसाधनों से जुड़े निर्णयों में वास्तविक अधिकार देना आवश्यक है।

विकास की कोई भी योजना स्थानीय समुदाय की सहमति, भागीदारी और सामाजिक-पर्यावरणीय प्रभावों की पारदर्शी समीक्षा के बिना आगे नहीं बढ़नी चाहिए। भविष्य की दिशा यह भी होनी चाहिए कि ग्राम सभाओं को उनके अधिकारों के साथ पर्याप्त वित्तीय संसाधन और प्रशासनिक क्षमता मिले। केवल अधिकारों की घोषणा पर्याप्त नहीं है। ग्राम सभा के निर्णयों को लागू करने के लिए वित्त, कर्मचारी और संस्थागत व्यवस्था भी उसी के अनुरूप विकसित करनी होगी। आजादी के 8 दशक बाद भी गांधी का गांव गणराज्य पूरी तरह साकार नहीं हो पाया है। संविधान ने पंचायतों को स्थान दिया, 73वें संशोधन ने ग्राम सभा को संवैधानिक पहचान दी और अनुसूचित क्षेत्रों के लिए पेसा कानून बनाया, लेकिन कानून और जमीन पर उसकी वास्तविक शक्ति के बीच अभी भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। गांधी के सपने को पूरा करने की अगली लड़ाई केवल पंचायत चुनावों की नहीं, बल्कि ग्राम सभा को वास्तविक सत्ता, संसाधन और निर्णय का अधिकार देने की लड़ाई है। लोकतंत्र की मजबूती का रास्ता संसद और विधानसभाओं से होकर गांव तक आता है, लेकिन उसकी वास्तविक बुनियाद गांव के लोगों की सामूहिक निर्णय शक्ति में ही है। गांव को केवल प्रशासन की अंतिम इकाई नहीं, बल्कि लोकतंत्र की पहली इकाई बनाना ही गांधी के गांव गणराज्य की दिशा में अगला कदम होगा।

हेल्थ अलर्ट

कॉन्टैक्ट लेंस आज के चश्मे के विकल्प के रूप में काफी लोकप्रिय हैं। लेकिन कई लोग थकान, देर रात घर लौटने या गलती से इन्हें निकलाना भूल जाने के कारण कॉन्टैक्ट लेंस पहनकर ही सो जाते हैं। देखने में यह छोटी-सी गलती लग सकती है, लेकिन आंखों के लिए इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। कई स्टडी से पता चलता है कि कॉन्टैक्ट लेंस पहनकर सोना, खासकर जब वे ओवरनाइट पहनने के लिए निर्धारित न हों, तो



इससे आई इन्फेक्शन बढ़ा सकता है। कोर्निया को स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन की जरूरत होती है। कॉन्टैक्ट लेंस कोर्निया की सतह पर होने के कारण ऑक्सीजन स्प्लॉट और टियर एक्सचेंज को प्रभावित कर सकता है। एनसीबीआई के अनुसार लंबे समय तक लेंस पहनने पर आंखों में ड्राइनेस, जलन और आंखों में लालिमा होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सबसे बड़ी चिंता तब होती है जब कोर्निया की सतह पर छोटी-सी चोट या जलन हो और ऐसे में

बैक्टीरिया या दूसरे सूक्ष्मजीव मौजूद हों। रिसर्च ने रातभर कॉन्टैक्ट लेंस पहनना और माइक्रोबियल केराटाइटिस के बीच महत्वपूर्ण संबंध दिखाया है। एनसीबीआई के अनुसार स्टडी में 367 कॉन्टैक्ट लेंस से संबंधित माइक्रोबियल कोराइटिस केस और कंट्रोल ग्रुप को देखा गया। इसमें पाया कि रात भर लेंस पहनने वालों में माइक्रोबियल केराटाइटिस का जोखिम 5.4 गुना अधिक था। विशेषज्ञों की सलाह है कि अगर डॉक्टर से विशेष रूप से रात में लेंस पहनने की अनुमति नहीं दी है, तो सोने से पहले लेंस निकाल देना चाहिए। रोज पहनने वाले लेंस को रातभर पहनने के लिए

डिजाइन नहीं किया जाता। कॉन्टैक्ट लेंस को हाथ लगाने या निकालने से पहले साबुन और पानी से हाथ अच्छी तरह धोकर सुखाएं। गीले हाथों से लेंस को न छुएं। सीडीसी के अनुसार शॉवर, स्वीमिंग या हॉट टब के दौरान कॉन्टैक्ट लेंस पहनना संक्रमण का जोखिम बढ़ा सकता है। खासतौर पर पानी में मौजूद सूक्ष्मजीव आंख तक पहुंच सकते हैं।

डिस्कोजेबल लेंस यूज करने के बाद उन्हें दोबारा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। यदि आंखों में जलन, असहजता, पानी आना, धुंधला दिखना या दर्द हो तो नेत्र रोग विशेषज्ञ से मिलना चाहिए।

निशाना

राग दरबारी सुनाया जा रहा..



मनोज 'निडर'

कोई सच हमसे छिपाया जा रहा। फिर हमें बुद्ध बनाया जा रहा। जानते हैं आप भी, वो चांद है पर उसे सूरज बताया जा रहा। एक झूठा ख्याब देकर आंख को, अँसूओं को बरालाया जा रहा। ऊंट अपना ही निकम्मा, मानकर चीन से खच्चर मंगाया जा रहा। ‘धर्म से बढ़कर कोई धंधा नहीं’ नाम पर इसके कमयाया जा रहा। आशियाने को निगोड़ों चाहिए, क्यों यहाँ सैयाद लाया जा रहा। हर तरफ बदरंग से माहौल में राग दरबारी सुनाया जा रहा।

टेक्नो अपडेट

दीवारों पर लगा वॉलपेपर बनाएगा बिजली बिना पावर चलेंगे घर के गैजेट्स

कल्पना कीजिए कि घर की दीवारों पर लगा वॉलपेपर केवल कमरे की खूबसूरती बढ़ाने के बजाय बिजली भी बनाने लगे। नई तकनीक इसी दिशा में काम कर रही है।

वैज्ञानिक ऐसे ऊर्जा उत्पादक वॉलपेपर विकसित करने पर काम कर रहे हैं, जिनमें विशेष सामग्री की परतें लगी होंगी। ये परतें आसपास मौजूद रोशनी और दूरेसे ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा लेकर उसे बिजली में बदल सकती हैं। इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह हो सकता है कि घर की दीवारें भी भविष्य में बिजली उत्पादन का माध्यम बन जाएं। अभी घरों में बिजली बनाने के लिए मुख्य रूप से छत पर सौर पैनल लगाए जाते हैं। इनके लिए पर्याप्त जगह की जरूरत होती है और हर घर की छत पर इन्हें लगाना संभव नहीं होता। ऊर्जा पैदा करने वाला वॉलपेपर इस समस्या का एक विकल्प बन सकता है।

शोधकर्ता ऐसे पतले और लचीले पदार्थों पर काम कर रहे हैं, जिन्हें दीवार, खिड़की या दूसरी सतहों पर लगाया जा सके। इनमें ऐसी सूक्ष्म संरचनाएं हो सकती हैं, जो प्रकाश पड़ने पर विद्युत ऊर्जा पैदा करें। खास यह है कि

इनका आकार सौर पैनल की तुलना में काफी पतला हो सकता है। भविष्य में इन्हें सामान्य वॉलपेपर की तरह दीवार पर चिपकाने की कल्पना की जा रही है।



इससे बनने वाली बिजली का इस्तेमाल कम ऊर्जा खपत वाले उपकरणों में हो सकता है। मसलन, छोटे सेंसर, तापमान मापने वाले उपकरण, घड़ी, एलईडी लाइट, स्मार्ट होम डिवाइस या अन्य छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण इस तरह की ऊर्जा से चल सकते हैं। यानी हर उपकरण को अलग से बिजली के तार या बैटरी की जरूरत कम हो सकती है। इस तकनीक का अहम पहलू यह है कि ऊर्जा केवल तेज धूप से ही मिले, जरूरी नहीं। कुछ विकसित सामग्री कृत्रिम रोशनी व कम रोशनी वाले वातावरण में भी ऊर्जा हासिल करने में सक्षम होती हैं। यानी, घर के भीतर बल्ब और अन्य प्रकाश स्रोत भी बहुत कम मात्रा में सही, लेकिन ऊर्जा उत्पादन में योगदान दे सकते हैं।

हालांकि अभी इसे समाधान मानना जल्दबाजी होगी, जिससे पूरा घर बिना बिजली कनेक्शन के चल सके। यह ऊर्जा की मात्रा कई बातों पर निर्भर करेगी।

आज से करीब 4,000 साल पहले जब दुनिया के बड़े हिस्से में ईसान संगठित शहरों और जटिल निर्माणों की शुरुआती तकनीकें विकसित कर रहा था, तब सुमेरियन सभ्यता के लोग नहरों व जलमार्गों पर पुल बना रहे थे। आधुनिक इराक में बगदाद और बसरा के बीच स्थित प्राचीन गिरसू शहर की खुदाई में ईंटों से बनी ऐसी संरचना मिली है, जिसे दुनिया के सबसे पुराने ज्ञात पुलों में गिना जाता है। यह खोज सिर्फ एक पुराने निर्माण

की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि प्राचीन मेसोपोटामिया के जल प्रबंधन, वास्तुकला और निर्माण तकनीक कितनी विकसित थी।

गिरसू सुमेरियन सभ्यता के महत्वपूर्ण नगरों में एक था। आज यह स्थल इराक के धी कार प्रांत में तिल्लो के नाम से जाना जाता है। करीब 5000 साल पहले यह क्षेत्र सुमेरियों के प्रभावशाली नगरों में एक था। यहां मिले मिट्टी के लेख, मंदिरों के अवशेष, मूर्तियां और भवन उस दौर के सामाजिक, धार्मिक और प्रशासनिक जीवन की जानकारी देते हैं। शहर की एक खास विशेषता इसकी जल व्यवस्था थी। नदियों और नहरों से थिरे इस क्षेत्र में जलमार्गों का इस्तेमाल खेती,

परिवहन और शहर की जरूरतों के लिए किया जाता था। गिरसू में पुरातात्विक खुदाई की शुरुआत 1877 में फ्रांसीसी पुरातत्वविदों ने की थी। शुरुआती दौर में खुदाई का उद्देश्य



प्राचीन अवशेष और लिखित सामग्री हासिल करना था। उस समय पुरातत्व संरक्षण की आधुनिक व्यवस्था विकसित नहीं हुई थी। यही कारण रहा कि खुदाई के बाद कई अवशेष खुले में पड़े रहे और नुकसान हुआ। 20वीं सदी के शुरुआती वर्षों में जिस संरचना को बाद में पुल माना गया,

उसकी सही पहचान भी नहीं हो सकी। कभी इसे मंदिर का हिस्सा माना गया तो कभी जल नियंत्रण से जुड़ी संरचना। पुरातात्विक अध्ययन के अनुसार यह संरचना प्राचीन नहर या जलमार्ग के ऊपर बनाई गई थी। इसमें पकी हुई ईंटों का इस्तेमाल हुआ था। उस समय नहरें सुमेरियन शहरों की जीवनरेखा थीं। इसलिए इनके ऊपर आवागमन के लिए स्थायी रास्ता बनाना शहर की व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण रहा होगा। पुल की मौजूदगी यह भी बताती है कि सुमेरियन निर्माणकर्ता पानी, मिट्टी और भार को ध्यान में रखकर संरचनाएं तैयार करने की तकनीक समझते थे। अब इसे संरक्षित करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयास चल रहे हैं।

अरब सागर से पंजाब तक नशे का नेटवर्क सुरक्षा और युवाओं के लिए चुनौती

कांतिलाल मांडोत

स्तंभकार



भारत की समुद्री सीमा से मादक पदार्थों की एक और बड़ी खेप पकड़े जाने ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, युवा पीढ़ी और सामाजिक व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चुनौती बन चुका है। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते और भारतीय तटरक्षक बल ने 25 सितंबर 2026 को लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में संयुक्त अभियान चलाकर एक ईरानी नाव से करीब 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी नागरिकों को भी पकड़ा गया है।

यह कार्रवाई केवल एक खेप पकड़ने की घटना नहीं है। इसके पीछे काम कर रहे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की जांच अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी जानकारी के अनुसार अभियान खुफिया सूचना के आधार पर चलाया गया और समुद्री तथा हवाई निगरानी के बाद सदिग्ध नाव को रोका गया। नाव और पकड़े गए लोगों को मुंबई लाकर आगे की संयुक्त जांच शुरू की गई है। एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के पीछे कौन लोग हैं, माल के संभावित प्राप्तकर्ता कौन थे और इसके आर्थिक लेन-देन की कड़ियां कहाँ तक जाती हैं।

जांच से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि खेप को भारत में पहुंचाने के बाद आगे दूसरे राज्यों तक ले जाने की योजना थी। रिपोर्टों में एक नाइजीरियाई व्यक्ति और पाकिस्तान से जुड़े कथित तस्करी नेटवर्क का भी उल्लेख है। इन दावों की पूरी पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। इसलिए किसी पूरे देश या समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को तस्करी से जोड़ना उचित नहीं होगा। वास्तविक चुनौती उन संगठित आपराधिक नेटवर्क को पहचानना और तोड़ना है जो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और समुद्री रास्तों का इस्तेमाल करते हैं।

गुजरात के समुद्री क्षेत्र में इस वर्ष हुई कार्रवाइयां समस्या की गंभीरता का संकेत देती हैं। भारतीय तटरक्षक बल के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार 16 फरवरी 2026 को गुजरात एटीएस के साथ संयुक्त कार्रवाई में करीब 203 किलोग्राम सदिग्ध मादक पदार्थ ले जा रही एक नाव पकड़ी गई थी। इसके बाद मई में मुंद्रा बंदरगाह के निकट करीब 118.977 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई, जिसकी कीमत 1,189 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई। इस मामले में पुलिस के अनुसार खेप को 2025 में जहाज में छिपाया गया था। सितंबर की 526 किलोग्राम की कार्रवाई इन घटनाओं के बीच सबसे बड़ी हालिया बरामदगी में शामिल है।

इन आंकड़ों से यह समझना जरूरी है कि समुद्री मार्ग केवल सीमा की सुरक्षा का विषय नहीं है। समुद्र से आने वाला अवैध माल यदि तट तक पहुंच जाए तो उसके बाद उसका फैलाव कई राज्यों और शहरों तक हो सकता है। इसलिए समुद्र में निगरानी, बंदरगाहों की सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान,

स्वास्थ्यपरक तरीके से समझाया जाना चाहिए। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों में दिखाई देने वाले गंभीर व्यवहारिक बदलावों पर संवेदनशीलता से ध्यान देना चाहिए और जरूरत पड़ने पर अभिभावकों तथा विशेषज्ञ सहायता से जोड़ना चाहिए।

सरकार और प्रशासन के स्तर पर समुद्री निगरानी को अत्याधुनिक तकनीक से मजबूत करना, तटरक्षक बल, पुलिस, सीमा सुरक्षा एजेंसियों और केंद्रीय जांच एजेंसियों के बीच तत्काल सूचना साझा करना तथा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की वित्तीय कड़ियों की जांच करना जरूरी है। गुजरात जैसे लंबे समुद्री तट वाले राज्यों में मछुआप समुदाय भी सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। समुद्र में सदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद व्यवस्था जितनी मजबूत होगी, उतनी ही जल्दी सुरक्षा एजेंसियां तक जानकारी पहुंच सकेगी।

नशे की समस्या का स्थायी समाधान कठोर कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता में है। तस्करों के खिलाफ कानून का शिकंजा मजबूत होना चाहिए, लेकिन नशे की चपेट में आए युवाओं को केवल अपराधी के रूप में देखने के बजाय उपचार, परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था भी मजबूत करनी होगी। परिवारों को यह समझना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं है। समय पर सहायता मिलने से कई युवा अपना जीवन दोबारा सामान्य दिशा में ले जा सकते हैं।

अरब सागर में हुई 526 किलोग्राम की जब्ती सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता का प्रमाण है। यह चेतावनी भी है कि चुनौती लगातार बनी हुई है। भारत को समुद्र से लेकर शहरों तक व सीमा से लेकर परिवार तक नशे के खिलाफ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करनी होगी। युवाओं को नशे से बचना सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, समाज और हर जिम्मेदार नागरिक का साझा दायित्व है। सुस्थित समुद्री सीमा व नशामुक्त युवा पीढ़ी दोनों मिलकर ही मजबूत व स्वस्थ भारत की नींव तैयार कर सकते हैं।

18 साल के प्रतिनिधित्व पर ग्रामीणों के सवाल महिलाओं के विरोध के बाद प्रशासन हरकत में मिलीभगत के आरोपों से गरमाया मामला

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में अवैध व नकली शराब की बिक्री को लेकर लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जिन गांवों में वर्षों बाद भी पक्की सड़क और बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह नहीं पहुंच सकीं, वहां शराब ठेकेदारों और कथित माफिया की गाड़ियां आसानी से घर-घर शराब पहुंचा रही हैं। साजड़ी-धामधुसर क्षेत्र में महिलाओं ने शराब बिक्री के विरोध में मोर्चा खोलते हुए कार्रवाई की मांग की।



ग्राम पंचायत धामधुसर के प्रांगण में शराब के खिलाफ प्रदर्शन करती महिलाएं। लगातार 18 वर्षों से क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे विधायक सुरेंद्र पटवा की कार्यशैली पर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इतने लंबे समय के प्रतिनिधित्व के बावजूद गांव-गांव अवैध शराब की बिक्री चिंता का विषय है।

स्थानीय लोगों ने पुलिस और आबकारी विभाग पर भी कथित मिलीभगत और संरक्षण के आरोप लगाए हैं। महिलाओं के विरोध और शिकायतों के बाद विधायक ने मामले को गंभीर बताते हुए पंचायतों में महिलाओं व सामाजिक संगठनों

के साथ जागरूकता अभियान चलाने तथा प्रशासन-पुलिस को कार्रवाई के निर्देश देने की बात कही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

जहां सड़क नहीं, वहां शराब की डिलीवरी आसान!

भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब की बिक्री को लेकर उठ रहे सवालों ने व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई ऐसे गांव हैं, जहां आज भी पक्की सड़क और जरूरी सुविधाओं का अभाव

है, लेकिन शराब बेचने वालों की गाड़ियां आसानी से पहुंच रही हैं। महिलाओं का आरोप है कि कथित तौर पर ठेकेदार और शराब माफिया गांव-गांव शराब पहुंचा रहे हैं। साजड़ी-धामधुसर में महिलाओं के विरोध के बाद मामला सामने आया। ग्रामीणों ने अवैध शराब के नेटवर्क की जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।

बैठक और आशवासन से आगे बदे कार्रवाई

महिलाओं की शिकायत के बाद विधायक सुरेंद्र पटवा ने अवैध और नकली शराब की बिक्री को गंभीर

विषय बताया। उन्होंने कहा कि पंचायतों में महिलाओं और सामाजिक संगठनों के साथ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा प्रशासन और पुलिस को लगातार दबिश देकर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। विधायक ने आमजन से भी अवैध शराब की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी शिकायतों के बाद बैठक और आशवासन दिए जाते रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं देती। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

जांच शिविर में 42 बुजुर्गों को निःशुल्क चरमे वितरित किए

तेंदूखेड़ा। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 1 अक्टूबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विधिक साक्षरता एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट स्मृति सोनी ने वरिष्ठ नागरिकों को नालसा की विधिक सेवाएं योजना और भरण-पोषण अधिनियम के तहत अधिकारों की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसके बाद 42 बुजुर्गों को निःशुल्क चरमे वितरित किए गए। कानूनी सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गई।

गांव-गांव शराब... 50 से ज्यादा आदिवासी

महिलाएं सड़क पर उतरीं आबकारी दफ्तर का घेराव, जमुनिया से बंगाली टोला तक अवैध बिक्री के आरोप

नर्मदापुरम। सोहागपुर क्षेत्र के गांवों में कथित अवैध शराब की बिक्री से परेशान 50 से अधिक आदिवासी महिलाओं ने गुरुवार को आबकारी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। महिलाओं का आरोप है कि जमुनिया, सेमरी हरचंद, झालोन और सोहागपुर के बंगाली टोला में कच्ची और देशी शराब आसानी से उपलब्ध हो रही है। इससे खासकर युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने के साथ परिवारों में आर्थिक संकट और घरेलू विवाद की स्थिति बन रही है। महिलाओं ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री को लेकर पहले भी कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कारोबार बंद नहीं हुआ। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने आबकारी अधिकारियों को करीब एक दर्जन सदिध शराब कारोबारियों के नामों की सूची सौंपकर कार्रवाई की मांग की। जमुनिया निवासी सुषमा बाई ने आरोप लगाया कि बाहर से कच्ची शराब लाकर गांवों में बेची जा रही है, जिससे परिवार प्रभावित हो रहे हैं। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव द्विवेदी ने महिलाओं से चर्चा कर शिकायत और सूची प्राप्त की। उन्होंने कहा कि चिन्हित ठिकानों पर विशेष टीम भेजकर जांच कराई जाएगी और अवैध शराब का कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज विंडो

रक्तदान महादान, जरूरतमंद का बचा सकता है जीवन पर कार्यक्रम आयोजित



गंजबासौदा। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ को रक्तदान के महत्व तथा जरूरतमंद मरीजों के जीवन में इसकी उपयोगिता की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता रक्त सेवा समिति बासौदा के सचिव अनिल दुबे ने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए विद्यार्थियों से समाज में रक्तदान के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम प्राचार्य एमसी शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी दिनेश कुमार ओझा, बालिका इकाई प्रभारी भारती पंथी, खेल शिक्षक एसके जैन सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। स्वयंसेवक प्रशांत साहू, दिशा बुंदेला, चांदनी और हर्षिता प्रजापति ने सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों को स्वैच्छिक रक्तदान करने और लोगों को इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

महाराणा प्रताप राजपूत समाज समिति ने दशहरा समारोह के लिए मुकेश को सौंपी कमान



गंजबासौदा। महाराणा प्रताप राजपूत समाज ट्रस्ट एवं विकास समिति, विदिशा द्वारा आयोजित होने वाले दशहरा उत्सव चल समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में समिति अध्यक्ष गोविंद सिंह गंजबासौदा पहुंचे। यहां पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सर्वसम्मति से मुकेश सिंह राजपूत को दशहरा उत्सव समिति का सह संयोजक नियुक्त किया गया। नियुक्ति पर राजपूत महापंचायत के प्रदेश सचिव योगेंद्र भदौरिया, क्षत्रिय महासभा अखंड भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजाराम राजपूत, करणी सेना के पूर्व अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह राजपूत सहित अन्य पदाधिकारियों ने सहमति जताई। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मुकेश सिंह का पुष्पमालाओं से स्वागत कर अभिनंदन किया तथा सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महाराणा प्रताप राजपूत समिति अध्यक्ष प्रवीण प्रताप सिंह, महासचिव प्रमोद सिंह राजपूत, संरक्षक सीबी सिंह गौतम, पूर्व अध्यक्ष जगदीप सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

जबलपुर पाटन मार्ग पर युवती को बचाने के फेर में बाइक अनियंत्रित, पति-पत्नी घायल



तेंदूखेड़ा। जबलपुर-पाटन मार्ग पर विद्यानगर स्थित जैन मंदिर के पास एक बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार परिपरिया निवासी भागचंद चक्रवर्ती (35) और उनकी पत्नी हल्लीबाई चक्रवर्ती (32) बाइक से पाटन से अपने गांव लौट रहे थे। भागचंद के अनुसार वे पाटन में पेशी के बाद वापस लौट रहे थे। तेंदूखेड़ा के विद्यानगर क्षेत्र में पहुंचने पर सामने चल रही एक बाइक सवार युवती को बचाने के प्रयास में उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे में पति-पत्नी को चोटें आईं। सूचना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया। उपचार के बाद दोनों को घर जाने की सलाह दी गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पक्की सड़कें नहीं पहुंचीं, घर-घर पहुंच रही अवैध शराब

नगर परिषद के सरकारी रिकॉर्ड में आपतिजनक टिप्पणी से हड़कंप

समग्र आईडी में पता गायब, लिख दिया- ‘बहुत स्मार्ट लग रही हो’!

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज एक छोटी सी गलती भी आम नागरिक के लिए परेशानी का कारण बन सकती है, लेकिन तेंदूखेड़ा नगर परिषद से जुड़ा मामला इससे कहीं आगे का नजर आ रहा है। यहां जारी समग्र परिवार कार्ड में आवेदक जगविंद उपाध्याय के वर्तमान निवास के पते की जगह ‘बहुत स्मार्ट लग रही हो’ जैसी टिप्पणी दर्ज होने का मामला सामने आया है। सरकारी दस्तावेज में इस तरह की प्रविष्टि सामने आने के बाद नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मामले से संबंधित समग्र परिवार कार्ड की तस्वीर में ‘वर्तमान निवास’ वाले कॉलम में सामान्य पता दर्ज होने के बजाय उक्त टिप्पणी दिखाई दे रही है। कार्ड पर पंजीयनकर्ता के रूप में जितेंद्र केवट (नगर परिषद तेंदूखेड़ा) का उल्लेख भी है।

अब सवाल यह है कि समग्र पोर्टल जैसे महत्वपूर्ण सरकारी रिकॉर्ड में किसी नागरिक के पते की जगह ऐसी टिप्पणी किस स्तर पर और किस प्रक्रिया के तहत दर्ज हुई? यदि यह ऑपरेटर की गलती है तो प्रविष्टि के बाद रिकॉर्ड का सत्यापन किसने किया? और यदि टिप्पणी जानबूझकर दर्ज की गई है तो जिम्मेदारी किसकी है?



टिप्पणी ने खड़े किए सवाल

समग्र परिवार कार्ड में ‘वर्तमान निवास’ के लिए निर्धारित स्थान पर आवेदक का पता दर्ज होने के बजाय ‘बहुत स्मार्ट लग रही हो’ जैसी टिप्पणी दिखाई दे रही है। कार्ड की तस्वीर सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में है। खास बात यह है कि समग्र आईडी से जुड़ी जानकारी सरकारी योजनाओं और विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उपयोग होती है। ऐसे में किसी नागरिक के पते की जगह असंबंधित टिप्पणी दर्ज होना रिकॉर्ड की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है। अब यह जांच का विषय है कि यह प्रविष्टि टाइपिंग के दौरान हुई, किसी ऑपरेटर की गलती थी या इसे जानबूझकर दर्ज किया गया। मामले में जिम्मेदारी तय करने की मांग उठ रही है।



नगरपालिका की जनसुनवाई में आवेदकों को मिला समाधान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका कार्यालय में गुरुवार को आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न वादों से पहुंचे आवेदकों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई की गई। जनसुनवाई में प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृति से संबंधित आवेदन आया, जिस पर पीएम आवास शाखा प्रभारी दीपक गौर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान किया।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन

में जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जा रहा है। गुरुवार को पीएम आवास के अलावा समग्र आईडी में सुधार, वार्ड क्रमांक 19 स्थित बंगाली कॉलोनी में सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने तथा ग्वालटोली क्षेत्र में पेयजल सप्लाई से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए, जिन पर संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, उपयंत्री मुकेश जैन, स्वच्छ भारत अभियान प्रभारी अनुराग तिवारी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

राजभाषा सप्ताह : प्रतिभाओं को मिला सम्मान भाषण, कविता से लेकर शुद्ध लेखन और प्रश्नोत्तरी तक हुई प्रतियोगिताएं



इटारसी। दोपहर मेट्रो

स्टेशन क्षेत्र इटारसी में हिन्दी राजभाषा समिति की ओर से 22 से 30 सितंबर तक आयोजित राजभाषा सप्ताह का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। सप्ताहभर चली विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साह से हिस्सा लिया।

भाषण, कविता, निबंध, शुद्ध लेखन और प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में अतिथियों ने हिन्दी को अभिव्यक्ति

के साथ सांस्कृतिक विरासत और आपसी संवाद की सशक्त भाषा बताया। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिन्दी का उद्देश्य तभी सार्थक होगा, जब इसका प्रयोग कार्यक्रमों तक सीमित न रहकर दैनिक कार्यालयीन कार्यों का सहज हिस्सा बने। समिति अध्यक्ष डॉ. फरदीन ने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का सरल और अधिकाधिक प्रयोग प्रशासनिक कामकाज को आमजन के लिए सुगम बनाता है। इधर, आयुध निर्माणी इटारसी की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के हिंदी पखवाड़े के तहत

नराकास से जुड़े केंद्रीय संस्थानों के कर्मचारियों के लिए कविता पाठ प्रतियोगिता हुई। इसमें केंद्रीय पूरक रेंज के भंडारण अधिकारी पीएस तारे ने स्व-रचित कविता प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उनकी कविता में देशभेम, हिंदी के प्रति समर्पण और सामाजिक सरोकारों को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में स्टेशन प्रबंधक प्रयोग कुमार चौधरी, वरिष्ठ अनुवादक राजेश कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक नरेश कुमार शर्मा सहित कर्मचारी मौजूद रहे। संचालन दमयंती सैनी ने किया।

मेट्रो एंकर

‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ–बेटियों को दुनिया की सैर कराओ’ पहल के तहत 30 बालिकाओं ने की जंगल सफारी

बेटियों ने जंगल में देखा प्रकृति का संसार, सफारी से शुरू हुआ पर्यटन सत्र



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरगंगा दुर्गावती टाइगर रिजर्व में गुरुवार को पर्यटन सत्र का शुभारंभ बेटियों को प्रकृति और वन्यजीवों से जोड़ने वाली पहल के साथ किया गया। ‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ–बेटियों को दुनिया की सैर कराओ’ की अवधारणा के तहत पर्यटन द्वारा

के आसपास स्थित गांवों की 30

बालिकाओं को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। बालिकाओं ने पर्यटन सत्र का शुभारंभ करने के बाद जंगल सफारी की और वन, वन्यजीवों तथा प्राकृतिक वातावरण को करीब से देखा।

अधिकारियों और गाइडों ने बालिकाओं को जंगल की जैव विविधता और वन्यजीवों के

प्राकृतिक आवास की जानकारी दी। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय बालिकाओं को प्राकृतिक विरासत से परिचित कराने के साथ उनमें पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना है। वहीं, वन्य प्राणी सप्ताह के तहत टाइगर रिजर्व की नौरादेही रेंज में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नौरादेही की जैव विविधता बनी जागरूकता का केंद्र

वन्य प्राणी सप्ताह के तहत नौरादेही रेंज में आयोजित कार्यक्रमों में लोगों को क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता से परिचित कराया जा रहा है। यहां बाघ, तेंदुआ, भालू, भेड़िया, लकड़बग्घा, चीतल और नीलगाय सहित अनेक वन्यजीव पाए जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीव केवल जंगल की शोभा नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

किए जा रहे हैं। ग्रामीणों, विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों को वन्यजीवों के महत्व तथा संरक्षण में जनभागीदारी के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वन विभाग ने

कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, ग्रामीणों और स्थानीय लोगों को वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और संरक्षण में जनभागीदारी का महत्व समझाया जा रहा है। लोगों से जंगल में आग न लगाने और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील व्यवहार करने की अपील की गई। साथ ही किसी वन्यजीव के संकट में होने पर तत्काल वन विभाग को सूचना देने को कहा गया।

लोगों से जंगल में आग नहीं लगाने, वन्यजीवों को परेशान नहीं करने और संकट में फंसे वन्यजीव की सूचना तत्काल विभाग को देने की अपील की।

न्यूज विंडो

इंदौर में फिनिक्स मॉल के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटी, एक की मौत

इंदौर। फिनिक्स मॉल के पास सुबह करीब 6.07 बजे तेज रफ्तार स्कॉर्पियो एक कार से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार युवक निखिल नंदी की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस को वाहन में फंसे युवक को बाहर निकालने के लिए कटर से गाड़ी काटनी पड़ी। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सामान्य कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया गया कि क्षेत्र में फ्लाईओवर निर्माण के कारण फोरलेन का यातायात सर्विस रोड की ओर डायवर्ट किया गया है। मार्ग परिवर्तन वाले हिस्से में वाहन चालकों को अचानक रास्ता बदलना पड़ रहा है, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है। पुलिस फिलहाल दोनों वाहनों की टक्कर के कारणों की जांच कर रही है। हादसे के समय वाहनों की गति और लापरवाही की स्थिति स्पष्ट करने के लिए प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा सकते हैं। कनाड़िया पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आरपीएफ ने दीपावली से पहले तत्काल टिकट की दलाली पकड़ी, दो गिरफ्तार



ग्वालियर। दीपावली और त्योहारी सीजन में ट्रेनों की बढ़ती वेंटिंग के बीच तत्काल टिकट की कथित दलाली का मामला सामने आया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ग्वालियर आरक्षण केंद्र की तत्काल टिकट खिड़की पर कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से भविष्य की यात्रा के चार और पुरानी यात्राओं के 18 आरक्षित ई-टिकट मिले, जिनकी कुल कीमत 43,703.65 रुपए बताई गई है। इसके अलावा 4,300 रुपए नकद और दो मोबाइल भी जब्त किए गए। आरपीएफ के अनुसार सोनेश रावत (19), निवासी दिहायला, शिवपुरी और देवेन्द्र सिंह चौकोटिया (29), निवासी महलगांव, तत्काल खिड़की पर पहुंचे थे। जांच में उनके पास चार यात्रियों के लिए ग्वालियर से बंगलुरु का तत्काल आरक्षण आवेदन मिला। पूछताछ में सामने आया कि दोनों व्यक्तिगत आईआरसीटीसी यूजर आईडी से टिकट बुक कर यात्रियों को बेचते थे। आरोप है कि तत्काल टिकट उपलब्ध कराने के नाम पर प्रति टिकट 1,000 से 1,200 रुपए अतिरिक्त लिए जाते थे। आरपीएफ ने दोनों के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया है।

देवास : लाखों के लेनदेन से तनाव में आकर मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक



देवास। देवास जिला मुख्यालय से करीब 65 किलोमीटर दूर स्थित नगर बागली में शुक्रवार सुबह नगर का ही एक युवक करीब 150 फीट से ऊंचे बीएसएनएल के मोबाइल टावर पर चढ़ गया। घटना का पता चलते ही मौके पर भीड़ लग गई कुछ ही देर में बागली पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवक को समझाइश देने का प्रयास किया गया। कुछ देर बाद वह नीचे उतरा, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। यह वही मोबाइल टावर है जिस पर कुछ दिन पूर्व एक युवती चढ़ गई थी और कई घंटे की मशक्कत के बाद समझाइश देकर उसे देकर उसे नीचे उतारा जा सका था। उसके प्रेमी व स्वजन को भी मौके पर बुलाया गया था। टावर तक आम व्यक्ति के प्रवेश पर रोक के कोई इंतजाम उस घटना के बाद भी नहीं किए गए थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जो युवक मोबाइल टावर पर चढ़ा है वह बागली में जगदीश मंदिर क्षेत्र का निवासी है जिसका नाम प्रकाश बताया जा रहा है। लोगों के अनुसार उसका उसके परिवार के लोगों से कई लाख रुपये का लेनदेन है।

मेट्रो एंकर

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत बैठक में लक्ष्य तय, कोई पात्र असाक्षर परीक्षा से न छूटे-अभिलेख अपडेट रखने के निर्देश

साक्षरता परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग अलर्ट, तैयारियों की हुई समीक्षा

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत अक्टूबर 2026 में प्रस्तावित नव भारत साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को जनपद शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इसमें अधिक से अधिक असाक्षरों की परीक्षा में सहभागिता सुनिश्चित करने, साक्षरता गतिविधियों को गति देने और सामाजिक चेतना केंद्रों को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। विकासखंड स्रोत समन्वयक ओपी राय एवं विकासखंड साक्षरता सह समन्वयक विजय नामदेव ने संकुल सह समन्वयकों के साथ परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में परीक्षा लक्ष्य, पूर्व तैयारी और



असाक्षरों को परीक्षा से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने साक्षरता, सर्वे, परीक्षा और बैठक पंजी सहित सभी अभिलेख अद्यतन रखने तथा ऑनलाइन मॉनिटरिंग नियमित करने के निर्देश दिए। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का 'अक्षर साथी' के रूप में पंजीयन कराने और सामाजिक चेतना केंद्रों पर साक्षरता व सामाजिक जागरूकता गतिविधियां

संचालित करने पर भी जोर दिया गया। सर्वे पूर्ण एवं पूर्ण साक्षर ग्रामों की जानकारी, अक्षर पोथी वितरण और केंद्रों पर बैनर लगाने की व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि समय-सीमा में तैयारियां पूरी कर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र असाक्षर मूल्यांकन परीक्षा से वंचित न रहे।

‘अक्षर साथी’ बनेंगे विद्यार्थी, बढ़ेगी साक्षरता की मुहिम

नव भारत साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा की तैयारियों के दौरान कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को 'अक्षर साथी' के रूप में जोड़ने की योजना पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों के पंजीयन के लिए आवश्यक संपर्क और तैयारी समय पर पूरी की जाए। इसका उद्देश्य असाक्षर लोगों को साक्षरता गतिविधियों से जोड़ना और मूल्यांकन परीक्षा में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना है। बैठक में साक्षरता पंजी, सर्वे पंजी, परीक्षा पंजी और बैठक पंजी को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रत्येक माह होने वाली ऑनलाइन मॉनिटरिंग नियमित रूप से करने पर भी जोर दिया गया।

सामाजिक चेतना केंद्रों को सक्रिय रखने पर जोर

बैठक में सामाजिक चेतना केंद्रों के नियमित और प्रभावी संचालन की समीक्षा की गई। विकासखंड स्रोत समन्वयक ओपी राय ने केंद्रों पर साक्षरता एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियां आयोजित कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में सर्वे पूर्ण और पूर्ण साक्षर ग्रामों की जानकारी, अक्षर पोथी वितरण तथा प्रत्येक केंद्र पर अनिवार्य रूप से बैनर लगाने की व्यवस्था की समीक्षा हुई। जन शिक्षा केंद्र की मासिक बैठकों में उल्लास कार्यक्रम की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अभियान की गति पर लगातार निगरानी बनी रहे।



तैदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शासकीय महाविद्यालय तैदूखेड़ा में 1 अक्टूबर को सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं नशामुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. सुनील गिरी ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों, सुरक्षित वाहन चलाने और दुर्घटनाओं से बचाव की जानकारी दी। डॉ. संस्था स्थापक ने संदिग्ध

कॉल, ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए। कार्यक्रम में नशे से होने वाले दुष्प्रभावों पर भी चर्चा हुई। छात्र-छात्राओं ने यातायात व साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करने और नशे से दूर रहने की शपथ ली। महाविद्यालय स्तर में विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

66 करोड़ के बैंक फ्रॉड में ईडी ने रुचि ग्लोबल के 21 लोगों पर चार्जशीट दाखिल की

पीएमएलए कोर्ट में प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट दाखिल, फर्जी दस्तावेजों से एलसी लेने और रकम को शेल कंपनियों के जरिए घुमाने का आरोप

ऐसे सामने आया 66 करोड़ की हेराफेरी का मामला

ईडी के मुताबिक रुचि ग्लोबल ने तीन बैंकों के कंसोर्टियम से करीब 66 करोड़ रुपए की एलसी सुविधा ली। आरोप है कि संबंधित सहयोगी संस्थाओं के पक्ष में कृषि जिनसों की खरीद दिखाते हुए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एलसी जारी कराई गई। बिलों को नेगोशिएटिंग बैंकों से डिस्काउंट कराने के बाद

रकम को शेल और अन्य संस्थाओं के जरिए तेजी से घुमाया गया तथा एक से तीन दिन के भीतर कंपनी के खातों में वापस लाया गया। ईडी के अनुसार निर्धारित समय पर भुगतान नहीं होने से एलसी बैंकों पर आ गई और कंसोर्टियम को नुकसान हुआ। दिसंबर 2025 की तलाशी में 23.50 लाख रुपए नकद जब्त किए गए थे।

गए। बिलों को बैंकों से डिस्काउंट कराने के बाद रकम को शेल और अन्य संस्थाओं के नेटवर्क के जरिए घुमाकर एक से तीन दिन में रुचि ग्लोबल के खातों में वापस लाया गया। समय पर भुगतान नहीं होने से बैंकों को नुकसान हुआ। ईडी ने

दिसंबर 2025 में तलाशी के दौरान 23.50 लाख रुपए की बेहिसाबी नकदी जब्त की और बैंक खाते फ्रीज किए थे। फरवरी 2026 में 5.13 करोड़ रुपए की अवचल संपत्ति अस्थायी रूप से अटैच की गई। मामले में आगे की जांच जारी है।

ट्रेन में दोस्ती, स्टेशन पर नींद... मोबाइल चोरी कर UPI से उड़ाए 20 हजार

रीवा शटल समेत तीन वारदातों का खुलासा, जीआरपी ने कटनी के 20 वर्षीय आरोपी को पकड़ा

जबलपुर। ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले आरोपी को शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी) ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कटनी के माधवनगर निवासी दीपक लीलानी उर्फ देव उर्फ दाऊ (20) के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने मोबाइल चोरी की तीन अलग-अलग वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने गत माह जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह पर भीड़ का फायदा उठाकर जबलपुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस में एक यात्री की जेब से मोबाइल चोरी किया था। इसके बाद उसने सिहोरा स्टेशन पर सो रहे यात्री को निशाना बनाते हुए उसकी जेब से मोबाइल पार कर दिया।

तीसरी वारदात रीवा शटल में सामने आई। आरोपी ने ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री से बातचीत कर दोस्ती बढ़ाई। यात्री के भरोसे में आने के बाद आरोपी ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया और आधारताल स्टेशन पर उतर गया। इसके बाद चोरी किए गए मोबाइल के जरिए यूपीआई से करीब 20 हजार रुपए का ट्रांजेक्शन किया गया। जीआरपी ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की, जिसमें तीन वारदातों का खुलासा हुआ। पुलिस अब चोरी किए गए मोबाइल और यूपीआई ट्रांजेक्शन से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। आरोपी से पूछताछ के आधार पर अन्य घटनाओं के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

मुरार टीआई मैना पटेल लाइन हाजिर

ग्वालियर में अपराध पर लगाम की कवायद, 7 टीआई बदले गए

गोविंद बगोली को मिली कमान, जनकगंज, भितरवार, बेहट और आरोन में भी फेरबदल

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

शहर में बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराधों के बीच पुलिस महकमे ने बड़ा फेरबदल किया है। एक साथ सात थाना प्रभारियों के तबादले किए गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव मुरार थाने में हुआ, जहां थाना प्रभारी मैना पटेल को हटाकर रक्षित केंद्र भेजा गया है। उनकी जगह सिरोल थाना प्रभारी ईस्पेक्टर गोविंद बगोली को मुरार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुरार क्षेत्र में हाल के दिनों में अपराध की घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

उठ रहे थे। हाल ही में हुई गोलीबारी की घटना के बाद कार्रवाई की चर्चा तेज हुई। घटना में पुलिसकर्मी संजय गुर्जर पर भी आरोप लगे थे, जिसके बाद उन्हें हटाया गया था। अब थाना प्रभारी को भी लाइन हाजिर किया गया है।

फेरबदल में प्रवीण शर्मा को जनकगंज और दीपेंद्र सिंह कुशवाह को भितरवार थाना प्रभारी बनाया गया है। जनकगंज के पूर्व टीआई अतुल सोलंकी को कंपू थाने की कमान मिली है। आरोन टीआई रमाकांत उपाध्याय को बेहट भेजा गया है, जबकि भितरवार में पदस्थ एसआई बलवीर मावई को आरोन थाना प्रभारी बनाया गया है।

गोविंद बगोली के मुरार जाने के बाद सिरोल थाने में फिलहाल पूर्णकालिक टीआई की तैनाती नहीं हुई है। वहां का कामकाज एसआई कमल किशोर यादव संभालेंगे।

सड़क से साइबर तक सुरक्षा का पाठ, नशे से दूर रहने की शपथ



तैदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शासकीय महाविद्यालय तैदूखेड़ा में 1 अक्टूबर को सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं नशामुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. सुनील गिरी ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों, सुरक्षित वाहन चलाने और दुर्घटनाओं से बचाव की जानकारी दी। डॉ. संस्था स्थापक ने संदिग्ध

कॉल, ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए। कार्यक्रम में नशे से होने वाले दुष्प्रभावों पर भी चर्चा हुई। छात्र-छात्राओं ने यातायात व साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करने और नशे से दूर रहने की शपथ ली। महाविद्यालय स्तर में विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

तीसरे वनडे से पहले टीम इंडिया को झटका

प्रसिद्ध चोटिल होकर बाहर, अंशुल कंबोज को मौका; सुंदर की जगह नमन धीर



नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में लगातार दो जीत के बाद टीम इंडिया को तीसरे मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा चोट के कारण आखिरी वनडे से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। प्रसिद्ध को गुवाहाटी में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान बाएं पैर की हैमिस्ट्रिंग में चोट लगी थी। वह मुकाबले में केवल पांच ओवर गेंदबाजी करने के बाद मैदान से बाहर चले गए थे। बीसीसीआई के मुताबिक प्रसिद्ध कृष्णा अब आगे की जांच और पुनर्वास के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जाएंगे। उनकी चोट की गंभीरता और वापसी में लगने वाले समय का आकलन जांच के बाद किया जाएगा। प्रसिद्ध के बाहर होने से भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी विभाग में बदलाव करना पड़ा है।

अंशुल कंबोज को मिला मौका

प्रसिद्ध की जगह अंशुल कंबोज को तीसरे और आखिरी वनडे के लिए टीम में शामिल किया गया है। वह चंडीगढ़ में भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा वनडे न्यू चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में खेला जाना है। सीरीज के शुरुआती दोनों मुकाबले भारतीय टीम ने आठ-आठ विकेट से जीते हैं, ऐसे में टीम की नजर अब क्लीन स्वीप पर होगी।

सुंदर टी20 टीम से बाहर, नमन धीर की एंट्री

वनडे के साथ-साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए भी भारतीय टीम में बदलाव हुआ है। सीनियर चयन समिति ने टीम प्रबंधन से सलाह के बाद वॉशिंगटन सुंदर को टी20 टीम से हटाने का फैसला किया है। यह बदलाव न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज को ध्यान में रखते हुए किया गया है। 11 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी का नया सत्र शुरू होने वाला है। ऐसे में वॉशिंगटन सुंदर अपनी राज्य टीम के लिए लाल गेंद से क्रिकेट खेलकर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी कर सकेंगे। उनकी जगह नमन धीर को टी20 टीम में शामिल किया गया है। इस तरह वेस्टइंडीज सीरीज के दौरान भारत के वनडे और टी20 दोनों दलों में बदलाव देखने को मिला है।



आईसीसी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदले कई नियम, देरी पर बल्लेबाज को 5 रन की सजा, पिंक बॉल से दिन में टेस्ट



मैच शुरू होने के बाद बाल नहीं होगा बदलाव

आईसीसी ने दिन में खेले जाने वाले टेस्ट मैचों में पिंक बॉल के इस्तेमाल का रास्ता भी खोल दिया है। दोनों टीमों आपसी सहमति से दिन के टेस्ट में पिंक बॉल का प्रयोग ट्रायल के तौर पर कर सकती हैं। इसका उद्देश्य खराब रोशनी के कारण खेल में आने वाली रुकावटों को कम करना है। हालांकि, मैच शुरू होने से पहले ही गेंद के रंग का फैसला करना होगा। एक बार मैच शुरू होने के बाद रेड बॉल से पिंक बॉल या पिंक बॉल से रेड बॉल में बदलाव नहीं किया जा सकेगा।

महिला और जूनियर क्रिकेट की गेंद के नियम तय

महिला और जूनियर क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंद के आकार और वजन को लेकर भी नियमों को स्पष्ट किया गया है। अब पुरुष, महिला और जूनियर क्रिकेट के लिए गेंद के आकार और वजन की अलग-अलग निर्धारित श्रेणियां होंगी। इससे अलग-अलग स्तर के क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंद को लेकर भ्रम कम करने की कोशिश की गई है।

ओवरथो को लेकर स्थिति साफ

ओवरथो के नियम को भी स्पष्ट किया गया है। अगर कोई फील्डर रन रोकने या बल्लेबाज को रन आउट करने के उद्देश्य से गेंद को स्टंप की दिशा में फेंकता है और उसके बाद गेंद अतिरिक्त रूप से आगे चली जाती है, तो इसे ओवरथो माना जाएगा। वहीं, केवल गेंद को रोकने या किसी दूसरे फील्डर को गेंद पास करने की कोशिश के दौरान हुई मिस्फील्ड को ओवरथो नहीं माना जाएगा।

2 अक्टूबर 2027 से शुरू होगा क्रिकेट का महाकुंभ

वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के सामने होगी ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान की डबल चुनौती!



नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 का पूरा शेड्यूल जारी हो चुका है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला यह टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से 21 नवंबर 2027 तक खेला जाएगा। 14 टीमों के इस वर्ल्ड कप में कुल 57 मुकाबले होंगे, जो तीनों देशों के 12 मैदानों पर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर को नामीबिया की राजधानी विंडहोक में तीन टीमों की सुपर सीरीज से होगी, जबकि मुख्य ग्रुप स्टेज का आगाज 7 अक्टूबर से होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी।

पहले ही मैच में ऑस्ट्रेलिया से टक्कर

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 अक्टूबर को केपटाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में मुकाबला होगा। यह मैच इसलिए भी खास होगा क्योंकि दोनों टीमों 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में आमने-सामने थीं, जहां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद भारत का सामना 10 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा। जोहानिसबर्ग के वॉंडर्स स्टेडियम में होने वाला यह मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे चर्चित मैचों में शामिल होगा। भारत 14 अक्टूबर को सेंचुरियन में अफगानिस्तान से भिड़ेगा। ग्रुप स्टेज में भारत कुल पांच मुकाबले खेलेगा। ग्रुप में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और क्वालिफायर, को रखा गया है। वहीं ग्रुप क्र में दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, इंग्लैंड, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और क्वालिफायर क्र शामिल हैं।

बांग्लादेश के सामने कड़ी चुनौती

ग्रुप क्र में बांग्लादेश को दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जैसी टीमों से मुकाबला करना होगा। इस ग्रुप से अगले चरण में जगह बनाने के लिए टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है। ग्रुप स्टेज में कुल 30 मुकाबले होंगे। प्रत्येक टीम अपने ग्रुप की बाकी टीमों से एक-एक मैच खेलेगी। दोनों ग्रुप की शीर्ष तीन-तीन टीमों सुपर-7 में पहुंचेंगी। इसके अलावा दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम भी अगले चरण में जगह बनाएगी।

सुपर-7 में भारत से फिर हो सकती है भिड़ंत

सुपर-7 में पहुंचने के बाद भारत और पाकिस्तान की एक बार फिर टक्कर हो सकती है। आईसीसी ने इस चरण के लिए प्री-सीडिंग तय की है। भारत को A1, ऑस्ट्रेलिया को A2 और पाकिस्तान को A3 स्थान दिया गया है। इस व्यवस्था के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच 7 नवंबर को केपटाउन में मुकाबला हो सकता है। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों का सुपर-7 में पहुंचना और निर्धारित प्री-सीडिंग व्यवस्था के अनुसार बने रहना जरूरी होगा। इसी तरह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच भी दूसरी भिड़ंत की संभावना है। दोनों टीमों के सुपर-7 में पहुंचने की स्थिति में 28 अक्टूबर को विक्टोरिया फॉल्स में उनका मुकाबला हो सकता है। सुपर-7 के बाद शीर्ष चार टीमों से सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पहला सेमीफाइनल 17 नवंबर को केपटाउन और दूसरा 18 नवंबर को सेंचुरियन में खेला जाएगा। दोनों सेमीफाइनल के लिए रिजर्व डे रखा गया है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

अर्थशॉट पुरस्कार में आलिया भट्ट दिखाएंगी जलवा बोलीं- उम्मीद, नए विचार और बदलाव का उत्सव है आयोजन



अभिनेत्री आलिया भट्ट मुंबई में आयोजित होने वाले अर्थशॉट पुरस्कार समारोह का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने इस आयोजन को उम्मीद, नए विचारों और सकारात्मक बदलाव के लिए किए जा रहे प्रयासों का उत्सव बताया। आलिया समारोह में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचने वाले उन लोगों और संस्थाओं का सम्मान करेंगी, जो पर्यावरण और धरती की रक्षा के लिए नए समाधान विकसित कर रहे हैं।

आलिया ने बताया क्यों खास है यह आयोजन-

आलिया भट्ट ने अपने बयान में कहा कि अर्थशॉट पुरस्कार वास्तव में उम्मीद से जुड़ा है। उनके अनुसार, यह ऐसी उम्मीद है, जो विचारों, प्रयासों और बेहतर भविष्य की दिशा में नए रास्ते तलाशने वाले लोगों से पैदा होती है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में ऐसे लोग शानदार काम कर रहे हैं, जो धरती को बचाने और उसे फिर से बेहतर बनाने के लिए नए तरीकों पर काम कर रहे हैं।

भारत में दुनिया भर के प्रतिभाओं का जमावड़ा

मुंबई में इस समारोह के आयोजन को लेकर आलिया ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों से आने वाले लोगों का एक जगह जुटना बेहद खास है। उन्होंने भारत के इस आयोजन का हिस्सा बनने पर गर्व जताया और उन लोगों को सामने लाने को लेकर उत्साह व्यक्त किया, जो पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए काम कर रहे हैं।

मोहनलाल संग काम कर अभिभूत हुई भाग्यश्री, बोलीं- ‘आशीर्वाद से कम नहीं’



जॉर्जिया में चल रही है और यह मोहनलाल के करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

से सिनेमा को देखने और आपसे सीखने का मौका मिलता है। आप सच में बहुत प्रतिभाशाली हैं सर। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर विष्णु मोहन ने डायरेक्ट किया है, जो ब्लॉकबस्टर मेगाडिजिटल को डायरेक्ट करने के लिए जाने जाते हैं। ऑपरेशन गंग एक हार्ड-ऑक्टेटन सरवाइवल थ्रिलर ड्रामा होगी, जिसमें मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के अलावा बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल, एक्ट्रेस भाग्यश्री बोर्से, एक्टर पार्थिवन और आदिल हुसैन भी होंगे। फिल्म की शूटिंग इस समय

यूपीआई लेनदेन की संख्या सितंबर में 23% बढ़ी, वैल्यू 29 लाख करोड़ पार



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 24.07 अरब हो गई। वहीं, लेनदेन का कुल मूल्य 18 प्रतिशत बढ़कर 29.37 लाख करोड़ रूपए हो गई है। औसतन सितंबर में यूपीआई के जरिए प्रतिदिन करीब 80.2 करोड़ लेनदेन हुए। इन लेनदेन का औसत दैनिक मूल्य लगभग 97,913 करोड़ रूपए रहा। अगस्त में यूपीआई लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़कर 24.51 अरब हो गई थी, जबकि लेनदेन का मूल्य 20 प्रतिशत बढ़कर 29.82 लाख करोड़ रूपए रहा था। एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार, आईएमपीएस के जरिए तत्काल फंड ट्रांसफर की राशि सितंबर में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 7.06 लाख करोड़ रूपए हो गई है। वहीं, इसके लिए औसतन प्रतिदिन 1.18 करोड़

लेनदेन हुए, जबकि औसत दैनिक लेनदेन राशि 23,530 करोड़ रूपए रही। इसके अतिरिक्त, प्रमुख व्यापारी संगठनों ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ राष्ट्रीय राजधानी में बैठक के बाद 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने का अपना आह्वान वापस ले लिया है। विभिन्न राज्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री से मुलाकात कर 2,000 रूपए से अधिक के मर्चेट यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं।

नवंबर, 2026 तक लागू रहेंगे।

नए नियमों के तहत, चीनी डीलरों को चीनी मिलने की तारीख से 15 दिन से ज्यादा समय तक स्टॉक रखने की इजाजत नहीं होगी। साथ ही, उन्हें देश में किसी भी जगह और किसी भी समय 1,000 किलो से ज्यादा चीनी का स्टॉक रखने की भी अनुमति नहीं होगी। हालांकि, क्षेत्रीय बाजार की खास जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, कोलकाता और उसके आस-पास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों के साथ-साथ असम राज्य के लिए स्टॉक रखने की सीमा 2,000 किलो तय की गई है।

खुदरा चीनी की कीमतें करीब 15 प्रतिशत गिरीं, एक्स-मिल दाम भी 28 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली । खुदरा बाजार में चीनी की कीमतों में अगस्त के उच्चतम स्तर से करीब 15 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, मिल से निकलने वाली चीनी की कीमतों में करीब 28 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है और दाम करीब तीन हफ्तों से स्थिर बने हुए हैं। यह जानकारी सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई। सरकार ने कहा कि अगस्त में चीनी की कीमतें अपने सबसे ऊंचे स्तर पर थीं, तब से औसत खुदरा कीमतों में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। उम्मीद है कि कीमतें और कम होंगी क्योंकि कम एक्स-मिल कीमतों का फायदा सप्लायर चैन तक पहुंचेगा। एक्स-मिल चीनी की कीमतों में उच्चतम स्तर से लगभग 28 प्रतिशत की गिरावट आई है और पिछले तीन हफ्तों से ये कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। सरकार के अनुसार, कीमतों में यह गिरावट उन विभिन्न उपायों का असर है जो चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और बाजार में इसकी सुचारू

एक तरफ सफाई अभियान दूसरी ओर यमुना का ये हाल!



नई दिल्ली में यमुना नदी का प्रदूषित रूप एक बार फिर देखने को मिल रहा है। यमुना की सतह पर बड़ी मात्रा में जहरीला झाग तैरता नजर आ रहा है। जहां एक तरफ जहां ‘स्वच्छता ही सेवा’ कैम्पेन चल रहा है, वहीं दूसरी ओर यमुना की ऐसी हालत सोचने पर मजबूर करती है। पितृ पक्ष के दौरान यमुना में ऐसी ही हालात में श्रद्धालु तर्पण करने को मजबूर है।

न्यूज विडो

खाई में गिरी कार, आइजोल दूरदर्शन के डायरेक्टर समेत तीन की मौत



आइजोल। आइजोल से लगभग 30 किलोमीटर दक्षिण में सताएक गांव के पास गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक गहरी खाई में कार गिरने से केंद्र सरकार के तीन अधिकारियों की मौत हो गई।प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि इन लोगों में आइजोल दूरदर्शन के डायरेक्टर (न्यूज) नाम्पिबोउ मारिनमाई और इंफाल पीआईबी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल एंगम पामे शामिल थे।शवों के पोस्टमार्टम के बाद दूरदर्शन और पीआईबी के अधिकारियों का शव मणिपुर में उनके गृहनगर भेजा जाएगा।अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन के स्थानीय फील्ड ऑफिस के मल्टी-टार्किंग स्टाफ सदस्य एच. लियानवेला की भी मौत हो गई।

ठाणे में शिवसेना यूबीटी नेता की हत्या के मामले में एसआईटी गठित

मुंबई, एजेंसी। ठाणे में शिवसेना यूबीटी नेता प्रदीप पुरनेकर की हत्या के मामले में 23 सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। प्रदीप पुरनेकर की मंगलवार की रात गोली मारकर हत्या की गई थी। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मृतक के बेटे राम पुरनेकर ने ठाणे की पूर्व मेयर मीनाक्षी शिंदे और उनके पति पर आरोप लगाए हैं। मीनाक्षी शिंदे सत्ताधारी शिवसेना की नेता हैं। डीसीपी अमर सिंह जाधव के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई है। महाराष्ट्र के बीड की जिला अदालत में एक आरोपी ने आत्मदाह की कोशिश की। घटना गुरुवार दोपहर साढ़े 12 बजे की है, जब एक मामले में आरोपी विलास घुगे ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। हालांकि मौके पर मौजूद वकीलों ने किसी तरह आरोपी को काबू किया। आरोपी का कहना है कि उसके खिलाफ शिकायत करने वाला व्यक्ति गांव में उसकी पत्नी के खिलाफ आपत्तिजनक बातें फैला रहा है। उसकी मांग है कि शिकायतकर्ता के खिलाफ समन जारी किया जाए।

मायावती बोलीं: वोट तो दलितों का चाहिए और टिकट पूंजीपतियों को देते हैं

लखनऊ।बसपा सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी पर तंज करते हुए कहा कि सपा को वोट तो पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों का पर वो टिकट परिवार और पूंजीपतियों को देते हैं। जनता को इस बात को समझना चाहिए कि सपा का पीडीए एक छलावा है। वहीं, उन्होंने ये भी कहा कि राज्यसभा चुनाव में सपा का तीसरा उम्मीदवार सिर्फ फेस सेविंग के लिए ही होगा।एक्स पर जारी किए गए बयान में उन्होंने कहा कि जैसाकि यह सर्वविदित है कि बसपा किसी भी छोटे-बड़े चुनाव में विरोधी पार्टियों में भी खासकर समाजवादी पार्टी की तरह अपने परिवार, सगे-सम्बन्धी, भाई-भतीजों, करीबी रिश्ते-नातेदारों के साथ ही विशेषकर बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धनासेठों आदि को टिकट नहीं देती है, यानी चुनावों में उनके धनबल का सहारा नहीं लेती है, बल्कि पार्टी में कार्यरत सर्वसमाज में से केवल गरीब, मध्यम वर्ग व कमजोर तबकों के कर्मठ अम्बेडकरवादी लोगों को ही अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनाती है।

नेतन्याहू बोले- हमलावर पायलट का ब्रेनवांश हुआ, यहूदी विरोधी था

सहकर्मী बोला- महिलाओं से हाथ नहीं मिलाता था; पकड़े जाने पर चिल्लाया- मुझे मार दो

तेल अवीव, एजेंसी

दुबई से तेल अवीव जा रहे फ्लाईदुबई के विमान को क्रैश करने की कोशिश करने वाला सह-पायलट आत्मघाती हमलावर था। इसाइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ये दावा किया है। आरोपी सह-पायलट को सऊदी अरब की सरकार ने दुबई की जांच एजेंसियों को सौंप दिया है, जो उससे पूछताछ कर रही हैं। इसाइली जांच एजेंसियां भी इस जांच में मदद कर रही हैं। इसाइली पीएम नेतन्याहू ने दावा किया है कि आरोपी इस्लामिक कट्टरपंथी था और उसने विमान को क्रैश करने की हिंसक कोशिश की, जिसे पायलट स्मित मच्छर और अन्य यात्रियों ने सफल नहीं होने दिया। इसाइली पीएम नेतन्याहू ने दावा किया है कि आरोपी इस्लामिक कट्टरपंथी था और उसने विमान को क्रैश करने की हिंसक कोशिश की, जिसे पायलट स्मित मच्छर और अन्य यात्रियों ने सफल नहीं होने दिया। इसाइली पीएम ने फॉक्स एंड फ्रेंड्स को बताया कि आरोपी को काबू करने के लिए यात्रियों ने ईयरफोन की मदद से उसे बांधा और उसे कॉकपिट से बाहर निकाल दिया। इस दौरान वह लेटा हुआ चिल्ला रहा था कि मुझे मार डालो..मुझे मार डालो।



कॉकपिट में चाकू लेकर कैसे घुसा आरोपी?

दुनियाभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी होती है। ऐसे में विमान के अंदर चाकू या कोई भी नुक़ीली चीज ले जाना बेहद मुश्किल है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आरोपी पायलट कॉकपिट में कैसे चाकू लेकर घुस गया?

मछार के लिए अशोक चक्र की उठी मांग

नई दिल्ली। तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में सवार 174 यात्रियों की जान सुरक्षित बचाने वाले पायलट कैप्टन स्मित मछर के अदम्य साहस की सोशल मीडिया पर दुनियाभर के लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। बुधवार को घटी इस घटना के बाद से इंटरनेट पर उनके पराक्रम की चर्चा है। कैप्टन स्मित के संकट के समय दिखाए गए धैर्य और सूझबूझ को देखते हुए सोशल मीडिया यूजर्स ने भारत सरकार से उन्हें शांति काल के सर्वोच्च नागरिक वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित करने की मांग की है। कई लोगों ने लिखा कि जिस तरह उन्होंने इतने यात्रियों की जान बचाई, वह वाकई अविश्वसनीय और असाधारण वीरता की मिसाल है। कैप्टन स्मित के गृह नगर मुंबई के घाटकोपर और तिलक नगर इलाके के निवासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर गर्व जताते हुए लिखा कि उन्हें अपने इलाके के बेटे पर गर्व है।

कंट्रोल यूनिट खराब करना चाहता था आरोपी

नेतन्याहू के प्रवक्ता डेविड मेनसर ने फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में बताया कि एक यात्री ने नेतन्याहू को बताया कि जब वे कॉकपिट में दाखिल हुए तो आरोपी सह-पायलट कुर्सी पर नहीं बैठा हुआ था और वह विमान की कंट्रोल यूनिट पर खड़ा हुआ था। वह अपने पैरों से विमान की कंट्रोल यूनिट को खत्म करने की कोशिश कर रहा था। मेनसर ने कहा कि उसका उद्देश्य विमान को क्रैश कराना था। इसाइली के रक्षा मंत्री इसाइल काटज ने आरोपी सह-पायलट को आतंकवादी करार दिया है।

ट्रंप ने दिए संकेत- ईरान से हो सकता है संबंध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि आरोपी सह-पायलट के ईरान से संबंध हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की और कहा कि ये आकलन सिर्फ सुनी गई बातों के आधार पर है। वहीं इसाइली पीएम नेतन्याहू ने ईरान की संलिप्तता पर कहा है कि अभी इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि जांच जारी है। नेतन्याहू ने ये भी कहा कि यह 11 सितंबर जैसा हमला करने की साजिश हो सकती थी।

मेट्रो एंकर

पीएम की तारीफ में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा- उनकी बातों को दोनों पक्षों को मानना चाहिए

मोदी हमेशा यूक्रेन युद्ध पर बात करते हैं, उनके पास अच्छे सुझाव

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात उठाते हैं। उनके पास जंग रोकने के अच्छे सुझाव हैं, जिसे दोनों पक्ष मान सकें। पुतिन ने मॉस्को में वाल्टाई फोरम के दौरान पीएम का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि मोदी हमारे अच्छे दोस्त हैं, फिर भी वे लगातार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात उठाते हैं। वे जल्द युद्ध खत्म करने के पक्ष में हैं। मैं इसके लिए उनका आभार जताता हूं।

सितंबर में पुतिन-मोदी की मुलाकात में भी जंग पर बातचीत हुई थी

नई दिल्ली में समिट से पहले 11 सितंबर को पुतिन और पीएम मोदी के बीच मुलाकात हुई थी। इस दौरान पुतिन ने मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति और शांति के लिए चल रही कोशिशों की जानकारी दी थी। इस मुलाकात से कुछ दिन पहले रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रैमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा था कि रूस यूक्रेन संघर्ष खत्म करने के लिए भारत की किसी भी शांति कोशिश का स्वागत करेगा। उन्होंने कहा था कि युद्ध का समाधान बातचीत और कूटनीति से निकालने की भारत की सोच और रूस की रणनीति काफी हद तक एक जैसी है।



तीखे तेवर... हमला हुआ तो सारे हथियार इस्तेमाल करेंगे

पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस यूरोप के किसी देश पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है। हालांकि, अगर रूस के किसी इलाके पर हमला होता है तो वह अपनी सुरक्षा के लिए अपने सभी हथियारों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने पश्चिमी देशों और यूरोप पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देश आने वाले वर्षों में रूस के साथ युद्ध की तैयारी की बात कर रहे हैं,

बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और रूसी जहाजों को जब्त कर रहे हैं। पुतिन का यह बयान मॉस्को की उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें इज़ह को कहा गया था कि अगर उसके किसी देश ने रूस के कलिननिग्राद इलाके को बाकी रूस से अलग करने की कोशिश की तो रूस उसकी रक्षा के लिए परमाणु हथियार भी इस्तेमाल कर सकता है।

महादेव मंदिर परिसर में नशे की खेती 5.69 लाख का गांजा जब्त, 3 गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

अरवल्ली जिला पुलिस अधीक्षक मनोहरसिंह जाडेजा के मार्गदर्शन में मादक पदार्थों के सेवन, तस्करी और अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मालपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने उभराण गांव स्थित शूरपाणेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कथित रूप से गांजे की खेती का पर्दाफाश करते हुए मंदिर के तीन पुजारियों को गिरफ्तार किया। इनमें उत्तराखंड के देहरादून का मूल निवासी रविकांत उर्फ रविगिरि राणा, मध्य प्रदेश का मूल निवासी रूपसिंह उर्फ रूपगिरि कुशवाह, सनतकुमार कोरी शामिल है। कार्रवाई के दौरान मंदिर परिसर से 5.69 लाख रुपए का गांजा और दो मोबाइल फोन सहित कुल 5.79 लाख रुपए का माल बरामद किया। मालपुर थाने के पीआई डीसी परमार को सूचना मिली थी कि



उभराण स्थित शूरपाणेश्वर महादेव मंदिर परिसर में गांजे के पौधे उगाए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस और एफएसएल टीम ने मंदिर परिसर में पहुंचकर तलाशी ली। इस दौरान वहां लगाए गए गांजे के छह पौधे मिले, जिनका कुल वजन 11.397 किलोग्राम था।

दिवेआगर बीच पर समुद्र में डूबने से पुणे के 8 छात्रों की मौत

रायगढ़। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दिवेआगर बीच पर गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया। पुणे से पिकनिक मनाने आए 8 छात्रों की समुद्र में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि समुद्र में अचानक तेज लहरें उठने और पानी की गहराई का सही अंदाजा नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुणे जिले के आलंदी स्थित विनर्स एकेडमी के 42 छात्र दिवेआगर घूमने आए थे। इनमें 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्र शामिल थे। दोपहर के समय इनमें से 8 छात्र समुद्र में तैरने के लिए पानी में उतरे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार छात्र समुद्र में उतरे ही थे कि पानी का स्तर अचानक बदल गया। तेज बहाव और ऊंची लहरों की चपेट में आने के बाद सभी आठ छात्र गहरे पानी की तरफ बह गए। मौके पर मौजूद लोगों ने छात्रों को बचाने की कोशिश की, लेकिन देखते ही देखते वे समुद्र में डूब गए।

पेंडारी घाट में पलटा ट्रक तो निकला 1.19 करोड़ का गांजा

सूरजपुर। सूरजपुर जिले के चंदौरा थाने की पुलिस ने अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर स्थित घाट पेंडारी में पलटे ट्रक से 1 करोड़ 19 लाख रुपए का गांजा जब्त किया है। पुलिस ने मामले में ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि ट्रक में प्लास्टिक दाना की आड़ में गांजे की तस्करी की जा रही थी। यदि ट्रक नहीं पलटता तो गांजा अपने गंतव्य तक पहुंच जाता। ट्रक के पलटने के बाद केन से उसे उठाया जा रहा था। वहीं बिखरे हुए सामान में से 9 बोरियों में भरे 238 किलोग्राम गांजे को सड़क किनारे गड़्ढे में रखकर ढंक दिया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सूरजपुर एसपी द्वारा नशे के अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

भारत की एकता की भी तारीफ की

पुतिन ने भारत की अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों के साथ मिल-जुलकर रहने की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ‘भारत का आकार और यहां की अलग-अलग तरह की संस्कृतियां हैरान करती हैं। पुतिन ने बताया कि बहुत कम लोग यह जानते हैं, लेकिन वकरू मोदी ने उन्हें बताया था कि भारत की 1.5 अरब आबादी में करीब 60 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं। बाकी लोग अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं। इसके बावजूद सभी लोग साथ मिलकर रहते हैं। पुतिन ने इसे अद्भुत बताया। उन्होंने कहा कि भारत की यही खासियत उसकी संस्कृति को खास बनाती है। यह दिखाता है कि अलग-अलग होने के बावजूद लोग एक साथ रह सकते हैं। उन्होंने कहा, ‘दुनिया को भारत से यह सीखना चाहिए।